रोहतक
रोहतक, रविवार 17 मई 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 102
पृष्ठ 16 मूल्य 3.00

मौसम
अधि. 42.0
न्यून. 21.0

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 सात्विक-चिराग का धमाकेदार खेल, फाइनल में पहुंचे

खबर संक्षेप

कश्मीर में पर्यटकों की गाड़ी खाई में गिरी, दो की मौत

अनंतनाग। कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम-अरु रोड पर शनिवार को पर्यटकों से भरी टवेरा गाड़ी गहरी खाई में गिर गई। हादसे में गुजरात के दो पर्यटक की मौत हो गई। इनमें एक महिला है। जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक टवेरा गाड़ी पहलगाम से अरु की ओर जा रही थी। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गया और गहरी खाई में जा गिरा। *एजेंसी*

लेह में बनेगा आईआईटी जम्मू का सैटेलाइट कैंपस

लद्दाख। आईआईटी जम्मू और लद्दाख प्रशासन ने शनिवार को लेह में आईआईटी जम्मू के सैटेलाइट कैंपस की स्थापना के लिए एक एमओयू साइन किया। इसके तहत कैंपस में शुरुआत में सिविल इंजीनियरिंग, एआई और डेटा साइंस जैसे कोर्स शुरू किए जाएंगे। इससे स्टूडेंट्स के लिए रिसर्च, इनोवेशन और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। लद्दाख के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि युवाओं के सपनों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। *एजेंसी*

मालदीव में इटली के 5 गोताखोरों की मौत

नई दिल्ली। मालदीव के वावू एटोल में इटली के 5 गोताखोरों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसे देश के इतिहास का सबसे बड़ा डाइविंग हादसा बताया है। सभी डाइवर्स 50 मीटर गहराई में मौजूद गुफाओं की खोज के लिए गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। अब तक सिर्फ एक शव बरामद हुआ है। खराब मौसम और समुद्र की कठिन परिस्थितियों की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। *एजेंसी*

आजम को 2 साल कैद और 20 हजार जुर्माना

रामपुर। सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने 2 साल की कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज था। आरोप था कि प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। *एजेंसी*

अब गूगल मैप्स पर मिलेगा खतरे का अलर्ट

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने अब यात्री सुरक्षा के कुछ तकनीकी उपायों पर काम तेज किया है। इसके तहत लांच किए गए प्राधिकरण के पोर्टल डाटालेक का तीसरा संस्करण तैयार किया है। जिसमें न सिर्फ ब्लैक स्पाट, बल्कि कैटल स्पाट, ब्लाइंड कर्व सहित राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के उन सभी स्थलों का डाटा है, जहां दुर्घटना की आशंका अधिक रहती है। यह डाटा जल्द ही गूगल मैप और मैप माइ इंडिया पर दिखेगा। *एजेंसी*

यह आपदाओं का दशक, हालात नहीं बदले तो गरीबी की दलदल में फंसेंगे

नीदरलैंड में भारतीय समुदाय को पीएम मोदी ने किया संबोधित

हेग (भाषा)। भारत को 'अवसरों की भूमि' बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश अभूतपूर्व परिवर्तन से गुजर रहा है और इसकी आकांक्षाएं 'अब इसकी सीमाओं तक सीमित नहीं हैं।' नीदरलैंड के हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत बड़े सपने देख रहा है और उसके युवा आसमान छूने की आकांक्षा रखते हैं। मोदी ने दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज मानवता के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। ये दशक आपदाओं का दशक बन गया है। दुनिया पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते कई दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा और दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी।

आज मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां

भारत तीसरा बड़ा स्टार्टअप देश

मोदी ने कहा कि आज का भारत बड़े सपने देख रहा है। उन्होंने कहा कि देश के युवा अब एआई और सेमीकंडक्टर यानी कंप्यूटर चिप बनाने जैसे क्षेत्रों में भारत को आगे ले जाना चाहते हैं। भारत तेजी से बदल रहा है और तकनीक व डिजिटल क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब बन चुका है। देश के नए स्टार्टअप एआई, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अच्छा काम कर रहे हैं। भारत में हाल ही में बड़े एआई सम्मेलन की मेजबानी सफलतापूर्वक की गई थी।

हमारी दोस्ती कमल-ट्यूलिप जैसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और नीदरलैंड के रिश्तों की तुलना कमल और ट्यूलिप फूल से की। उन्होंने कहा कि जैसे नीदरलैंड पूरी दुनिया में ट्यूलिप फूलों के लिए मशहूर है, वैसे ही भारत कमल के लिए जाना जाता है। मोदी ने कहा कि कमल और ट्यूलिप दोनों हमें एक खास सीख देते हैं। चाहे जड़ें पानी में हों या मिट्टी में, असली ताकत और खूबसूरती अपनी जड़ों से ही मिलती है। भारत और नीदरलैंड के संबंध भी इसी तरह मजबूत हैं और दोनों देश मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

यहां भी पहुंच गया झालमुड़ी?

मादी ने मजाकिया अंदाज में पूछा, "क्या झालमुड़ी यहां भी पहुंच गई?" उन्होंने भारत में बढ़ते वोटिंग प्रतिशत और महिलाओं की बड़ी भागीदारी का भी जिक्र किया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में 80 से 90 प्रतिशत तक मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि चुनावों में महिलाओं की भागीदारी भी बेहद ज्यादा रही। मोदी ने कहा कि भारत में हर साल वोटिंग के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र की मजबूती का संकेत बताया।

5 दिन हाल रहेगा बेहाल, तापमान भी 3 से 4 डिग्री तक बढ़ेगा

आज से सताएंगे लू के थपेड़े

राजस्थान से आने वाली गर्म हवाओं से दक्षिण पश्चिम हरियाणा में लू चलने की चेतावनी

दोपहर 12 से 3 बजे के बीच धूप में न निकलने की सलाह, 25 से 2 जून तक चलेगा नौतपा

हरिभूमि टीम ▶▶| हरियाणा

प्रदेश में आने वाले दिनों में तेज गर्मी पड़ेगी। पिछले दिनों चली आंधी और बूंदाबांदी के बाद अब मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। राजस्थान से आनी वाली गर्म हवाओं से तापमान बढ़ेगा। लगातार पांच दिन लू के थपेड़ों से हाल बेहाल रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 17 मई से प्रदेश के कई हिस्सों में हीटवेव का असर शुरू हो जाएगा। 18 और 19 मई को दक्षिण और पश्चिम हरियाणा के जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। 16 मई को पूरे हरियाणा में मौसम साफ रहेगा। इसके बाद लगातार तापमान में बढ़ोतरी होगी। विभाग ने अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान जताया है। वहीं, 25 मई से 2 जून तक नौपता रहेगा। इन नौ दिनों में साल में सबसे अधिक गर्मी पड़ती है।

कहां कितना पारा

स्थान	पारा
सिरसा	42.0
नारनौल	41.5
नूंह	41.4
हिसार	40.9
रोहतक	40.7
गुरुग्राम	40.6
महेंद्रगढ़	40.1

इन इलाकों में चलेगी लू

17 मई को हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी, चरखी दादरी और महेंद्रगढ़ समेत पश्चिमी जिलों में हीटवेव की स्थिति बन सकती है। वहीं, 18 और 19 मई को लू का दायरा बढ़कर रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, गुरुग्राम, नूंह और पलवल तक पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे तक धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है।

किसानों के लिए एडवाइजरी

कृषि मौसम विज्ञान केंद्र ने किसानों को अगले दो-तीन दिन सावधानी बरतने की सलाह दी है। कपास की बुवाई फिलहाल टालने, पकी गेहूं और जौ की फसल की तुरंत कटाई-थ्रेशिंग करने और भूसे को सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है। सब्जी उत्पादकों को सिंचाई रोकने और तैयार फसल की कटाई करने को कहा गया है। पशुपालकों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की सलाह दी गई है।

सुपर अल नीनो मई-जुलाई में होगा एक्टिव

भारत में सूखा और भीषण गर्मी पड़ने की संभावना

इससे कमजोर पड़ सकता है मानसून

प्रशांत महासागर का पारा 0.5 डिग्री अधिक

नई दिल्ली। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है। प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61% थी, जो अब बढ़कर 82% हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

क्या होता है अल-नीनो

अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असमान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है। अल-नीनो प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा।

नीट पेपर लीक केस : अब तक नौ पकड़े

एनटीए के एक्सपर्ट पैनल का हिस्सा रही लेक्चरर गिरफ्तार

कोचिंग क्लास में बताए सवाल पेपर से पूरी तरह खाते थे मेल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने शनिवार को पुणे की बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा गुरुनाथ मांढरे को गिरफ्तार किया है। मांढरे को दिल्ली में सीबीआई हेडक्वार्टर में पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। एजेंसी का दावा है कि मांढरे एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा थी। मांढरे को पता था कि एग्जाम में कौन से सवाल आएंगे। उसने एग्जाम से पहले अपने पुणे स्थित घर पर स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। वहां छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के सवाल बताए, नोटबुक में लिखवाए और किताबों में मार्क करवाए। सीबीआई के मुताबिक, मांढरे के कोचिंग क्लास में बताए गए अधिकांश सवाल 3 मई को नीट परीक्षा के पेपर से पूरी तरह मेल खाते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि मांढरे ने पुणे से गिरफ्तार ब्यूटीशियन मनीषा वाघमारे के जरिए नीट अभ्यर्थियों को अपने कोचिंग सेंटर पर जुटाया था।

छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्न लीक किए, पुणे की बायोलॉजी लेक्चरर मनीषा के जरिए अभ्यर्थियों को जुटाया

मांढरे ने पेपर के बदले छात्रों से लाखों लिए

सीबीआई के मुताबिक, मनीषा मांढरे और मनीषा वाघमारे ने छात्रों और उनके पेरेंट्स से लीक पेपर देने के बदले छात्रों से लाखों रुपये लिए। बाद में मनीषा वाघमारे ने अपने कॉन्टेक्ट्स के और लोगों तक पेपर पहुंचाए। मनिषा वाघमारे 14 मई को गिरफ्तार हुई थी। मनिषा वाघमारे और पेपर लीक के मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी से पूछताछ के आधार पर ही मनीषा मांढरे की गिरफ्तारी हुई है। कुलकर्णी लातूर का केमिस्ट्री प्रोफेसर है और कई सालों तक नीट पर सेटिंग से जुड़े पैनल का हिस्सा था। एजेंसी के मुताबिक कुलकर्णी ने अप्रैल के आखिरी हफ्ते में अपने घर पर स्पेशल क्लास लेकर छात्रों को वे सवाल, ऑप्शन और जवाब बताए थे, जो बाद में एग्जाम में आए।

कॉकरोच वाले बयान पर सफाई

केवल फर्जी डिग्री वालों को कहा था परजीवी : सीजेआई

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को अपनी पैरासाइट और कॉकरोच वाली टिप्पणी पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने मेरी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया। उन्होंने कहा, 'उनकी टिप्पणी खास तौर पर उन लोगों के लिए थी, जो फर्जी और नकली डिग्रियों के सहारे वकालत जैसे पेशों में आ गए हैं। मीडिया, सोशल मीडिया और दूसरे सम्मानित पेशों में भी ऐसे लोग घुस आए हैं। वे परजीवियों जैसे हैं।' दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि चीफ जस्टिस ने 15 मई को एक मामले की सुनवाई करते हुए देश के बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवियों से की थी। यह मामला 15 मई का है।

अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का भंडाफोड़...

एनसीबी ने जब्त की 182 करोड़ की कैप्टागॉन ड्रग

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कैप्टागॉन की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह से लगभग 227.7 किलोग्राम कैप्टागॉन जब्त किया गया है। जिसे जिहादी ड्रग भी कहते हैं, इसकी कीमत 182 करोड़ रुपये है। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कैप्टागॉन की पहली खेप जब्त करने के लिए एजेंसी की सराहना की। शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने नशामुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया है।

क्यों कहते हैं जिहादी ड्रग

कैप्टागॉन एक आम नाम है जो फेनेथिलिन से जुड़ा है। यह 1960 के दशक में बनाया गया एक सिंथेटिक स्टिमुलेंट (उत्तेजक) है। इसका गलत इस्तेमाल और तस्करी पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में एक्टिविस्ट और कॉनफ्लिक्ट जोन के नेटवर्क से जुड़ी है। इसे जिहादी ड्रग का नाम इसलिए मिला क्योंकि इस ड्रग के असर से इसका इस्तेमाल करने वाले लोग लंबे समय तक जाग पाते थे। इतना ही नहीं एग्रेसिव और जोखिम लेने वाला व्यवहार भी बढ़ाया जा सकता है। इसके इस्तेमाल से तनाव वाले हालात में लंबे समय तक लड़ाई जैसी गतिविधियों को जारी रखा जा सकता है।

एक जुलाई से होगा लागू

9वीं-10वीं में पढ़नी होंगी 3 भाषाएं, नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई ने अपने सभी स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं में तीन भाषा की पॉलिसी अनिवार्य कर दी है। इसके तहत 9वीं और 10वीं के बच्चों को तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी। इनमें से 2 भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। सीबीएसई का नोटिफिकेशन 1 जुलाई से लागू होगा। इस फैसले से 9वीं और 10वीं के मिलाकर लगभग 50 लाख बच्चे प्रभावित होंगे। साथ ही इस साल 10वीं के बच्चों को तीसरी भाषा का पेपर नहीं देना होगा। श्री लैंग्वेज पॉलिसी के तहत, एक भारतीय और एक विदेशी भाषा के साथ एक क्षेत्रीय भाषा पढ़ाई जानी है। सीबीएसई ने स्पष्ट किया है कि स्कूल, छात्रों की पसंद के अनुसार थर्ड लैंग्वेज चुन सकते हैं।

50 हजार सैनिक और युद्धपोत तैनात, ट्रंप के फैसले का इंतजार

ईरान पर अगले हफ्ते दोबारा हमले की तैयारी में अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका अगले हफ्ते ईरान पर दोबारा सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए हैं और अब अंतिम फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की योजना तैयार है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, हमले के विकल्पों में ईरान के सैन्य और इंफ्रास्ट्रक्चर ठिकानों पर बड़े हवाई हमले शामिल हैं। एक विकल्प अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन फोर्सेज को जमीन पर उतारकर इस्फहान परमाणु साइट में दबे परमाणु सामग्री यानी एनरिच्ड यूरेनियम तक पहुंचने का भी है। हालांकि अधिकारियों ने माना कि ऐसा ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा होगा और इसमें भारी सैन्य नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में 50 हजार से ज्यादा सैनिक तैनात रखे हैं। इसके अलावा दो एयरक्राफ्ट कैरियर, एक दर्जन से ज्यादा नेवी डेस्ट्रॉयर और बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान भी क्षेत्र में मौजूद हैं। करीब 5 हजार मरीन और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के 2 हजार पैराट्रूपर्स भी आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

पेंटागन ने हमले के कई विकल्प तैयार किए

सीएम बोले- जन्म दर बढ़ाने की जरूरत

आंध्रप्रदेश में तीसरे बच्चे पर 30 और चौथे के जन्म पर मिलेंगे 40 हजार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवार को 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। नायडू श्रीकाकुलम जिले में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले वह जनसंख्या नियंत्रण के पक्ष में थे, लेकिन अब समय बदल गया है। अब जन्म दर बढ़ाने की जरूरत है। एक महीने के भीतर इसकी पूरी जानकारी जारी की जाएगी। इससे पहले सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने के प्रस्ताव पर भी विचार कर चुकी है। 5 मार्च को मुख्यमंत्री ने विधानसभा में इसकी जानकारी दी थी। नायडू ने कहा कि बच्चों को बोझ नहीं, बल्कि देश की संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। किसी भी समाज की जनसंख्या स्थिर रखने के लिए प्रति महिला औसतन 2.1 बच्चों की जन्म दर जरूरी होती है। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में घटती आबादी और बुजुर्ग होती जनसंख्या से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ा है।

कम जनसंख्या से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा

बदलाव पेट्रोल-डीजल बचाने की कवायद, मंत्री समूह की बैठक में प्रस्ताव पर मंथन

ईवी वाहनों के पंजीकरण शुल्क पर 100% छूट की तैयारी

योगेंद्र शर्मा ▶▶| चंडीगढ़

सूबे में पेट्रोल डीजल की बचत के क्रम में जहां मंत्रियों और मुख्यमंत्री, राज्यपाल सहित वीवीआईपी ने अपने वाहनों में कटौती की है। वहीं, दूसरी तरफ सरकार जल्द ही राज्य में ईवी वाहनों की खरीद पर सौ फीसदी पंजीकरण शुल्क माफ करने की तैयारी में है। सोमवार को होने वाली मंत्री समूह की बैठक में प्रस्ताव पर मंथन होगा। परिवहन, श्रम और ऊर्जा मंत्री अनिल विज भी ईवी वाहनों के हक में हैं, इसलिए राज्य में 500 ईवी वाहनों की खरीद का फैसला लिया गया है। 18 को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में प्रस्ताव लाने की तैयारी है, क्योंकि इस वक्त सभी भाजपा शासित राज्यों में तेल बचाओ मुहिम चल रही है। पीएम नरेंद्र मोदी से लेकर राज्य के सीएम नायब सिंह सैनी और मंत्रियों ने काफिले की गाड़ियों को कम कर दिया है।

भारत में 25 किमी/घंटे से कम गति और 250 वाट से कम मोटर क्षमता वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस से मुक्त होते हैं।

होता था राजस्व का नुकसान

दिल्ली जैसे राज्यों में रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस फ्री होने (या 15% तक की रियायत मिलने) के कारण हरियाणा (विशेषकर गुरुग्राम और फरीदाबाद) के अधिकांश लोग अपने वाहनों का पंजीकरण दिल्ली से करवा रहे थे। जिससे हरियाणा सरकार को टैक्स का भारी नुकसान हो रहा था।

यूपी सहित कई राज्यों में ईवी वाहनों पर शुल्क नहीं

उत्तर प्रदेश सरकार ने ईवी नीति के तहत सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक और योग्य स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स को 13 अक्टूबर 2027 तक पूरी तरह से माफ किया है। दिल्ली की ईवी नीति के तहत 30 लाख तक की कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों और दोपहिया वाहनों पर मार्च 2030 तक पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स शून्य है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी चुनिंदा इलेक्ट्रिक वाहनों पर रजिस्ट्रेशन फीस और रोड टैक्स में 100% तक की छूट मिलती है।

मंत्री रणबीर गंगवा ने भी काफिले से घटाए वाहन

प्रदेश के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा ने दोनों विभागों को लेकर इस बाबत सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कुल 9 तथा लोक निर्माण विभाग में कुल 8 वाहनों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के आदेश जारी किए गए हैं। ये गाड़ियां विभाग के मुख्यालय तथा संबंधित विभाग में इस्तेमाल में थी। उन्होंने खुद के साथ चलने वाली पायलट गाड़ी को भी हटवा दिया है। पहले उनके साथ पायलट गाड़ी भी चलती थी।

खबर संक्षेप

पॉलीटेक्निक में प्रवेश प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी बहुतकनीकी संस्थानों में डिप्लोमा इंजीनियरिंग और डिप्लोमा फार्मेसी कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थी आवेदन कर रहे हैं। विभाग के अनुसार इस बार छात्रों में नए और तकनीकी कोर्सों को लेकर अधिक उत्साह देखने को मिल रहा है।दसवीं और बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र विभिन्न नए कोर्सों में दाखिला ले सकते हैं। दाखिला प्रक्रिया तीन वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग, दो वर्षीय डिप्लोमा फार्मेसी और दो वर्षीय डिप्लोमा इंजीनियरिंग लेटरल एंट्री कोर्सों के लिए जारी है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था पर ध्यान दे सरकार

चंडीगढ़। जजपा नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने हरियाणा में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पुलिस और सरकार की लापरवाही के चलते बदमाश बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और प्रदेश में जंगलराज जैसे हालात बन गए हैं। उन्होंने ने कहा कि सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे करने वाली भाजपा सरकार के शासन में पिछले 24 घंटे में कई बड़ी आपराधिक घटनाएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि झज्जर में युवक की दिनदहाड़े गोलियां मारकर हत्या कर दी गई, खरखौदा कोर्ट परिसर में पेशी पर आए व्यक्ति को गोली मार दी गई।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना बेहतरीन पहल

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तख्त सचखंड श्री हुजुर साहिब नांदेड़ के लिए सिरसा से रवाना हुई ट्रेन शुक्रवार देर रात दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन में हरियाणा सोनीपत और पंचकूला जिला के 56 यात्री रवाना हुए। सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने यात्रियों को शुभकामनाएं दी। ट्रेन रवाना करने से पहले संबोधित करते हुए शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना हरियाणा सरकार की एक बेहतरीन पहल है।

खरीफ फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी नाकाफी : पूनिया

चंडीगढ़। अखिल भारतीय किसान सभा की हरियाणा राज्य कमेटी के नेता सरबत पूनिया ने खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा को अपर्याप्त बताते हुए केंद्र सरकार पर किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कृषि लागत एवं मूल्य आयोग को रबी और खरीफ फसलों की बिजाई से पहले एमएसपी घोषित करना होता है, लेकिन आयोग द्वारा लागत निर्धारण का तरीका दोषपूर्ण है। पूनिया ने कहा कि किसान संगठनों की लंबे समय से मांग रही है कि एमएसपी का निर्धारण सी-2 लागत पर 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर किया जाए।

अब हांसी के सिसाय से उड़ान भरेगा हरियाणा का ड्रोन उद्योग

ड्रोन टेक्नोलॉजी युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते खोल रही : कृष्ण बेदी

प्रदेश का युवा खेती के साथ तकनीक के क्षेत्र में भी देश का नेतृत्व करेगा : कैप्टन अभिमन्यु

हांसी। ड्रोन फैक्ट्री का निरीक्षण करते पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

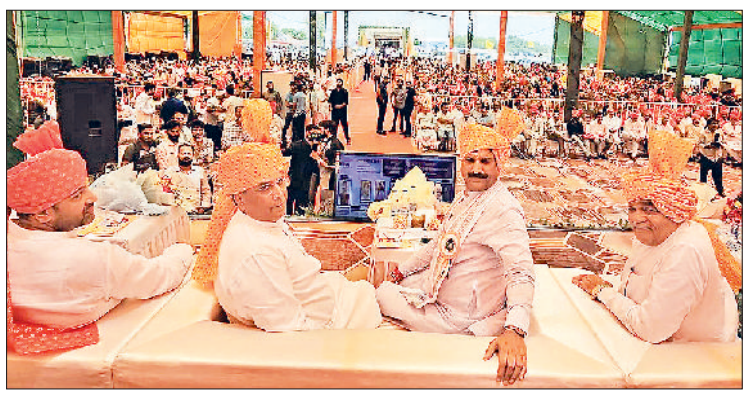

हांसी। कार्यक्रम में उपस्थित कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु व विधायक विनोद भयाना।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

हांसी के सिसाय गांव से शुरू हुई ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एवं प्रशिक्षण परियोजना हरियाणा को तकनीकी क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी।

■ सिसाय में ड्रोन सिटी का उद्घाटन

गांव में स्थापित ड्रोन सिटी का शनिवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि भारत अब केवल विदेशी तकनीकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि नई तकनीक विकसित कर दुनिया को दिशा देने वाला देश बन रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का युवा विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित करने की क्षमता रखता है। सिसाय गांव में स्थापित आधुनिक ड्रोन निर्माण इकाई प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक पहल है, जिससे रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि जापान, अमेरिका, जर्मनी और चीन जैसे देशों ने भी छोटी तकनीकी इकाइयों से शुरुआत कर वैश्विक पहचान बनाई थी। उसी प्रकार हरियाणा भी तकनीकी नवाचार और आधुनिक उद्योगों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को ड्रोन टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित होगी। विधायक विनोद भयाना ने कहा कि वर्तमान समय ड्रोन तकनीक का समय है और इसका महत्व रक्षा, कृषि तथा विकास कार्यों में लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हांसी क्षेत्र में ड्रोन सिटी के रूप में विकसित होने की अपार संभावनाएं है।

प्रदेश के लिए ऐतिहासिक कदम : कैप्टन अभिमन्यु

पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि सिसाय गांव से शुरू हुई यह पहल हरियाणा के लिए ऐतिहासिक कदम है। गांवों तक ड्रोन तकनीक का पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि भारत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का युवा आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहा है और आने वाले समय में खेती के साथ तकनीक एवं नवाचार में भी देश का नेतृत्व करेगा। ड्रोन टेक्नोलॉजी भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण तकनीकों में से एक है और हांसी क्षेत्र में इस प्रकार की आधुनिक यूनिट स्थापित होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

500 युवाओं को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जाएगी

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षित ड्रोन पायलटों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। संस्था के संस्थापक दीप सिहाग ने बताया कि 500 युवाओं को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन सोनू डाटा, आईएएस अधिकारी वंदना दिसोदिया, संयुक्त निदेशक जयप्रकाश, एवीपीएल के फाउंडर लेफ्टिनेंट जनरल आरके आनंद, एसडीएम विकास यादव, डीएसपी रविंद्र सांगवान, डॉ. प्रीति संधू तथा गांव के सरपंच राजेश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हर वर्ग के हित में काम कर रही सरकार : नायब सैनी

■ दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ किया

यमुनानगर। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर के आदिबद्री में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के हित में कार्य कर रही है और प्रदेश को विकास की नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों को सरकार धरातल पर उतार रही है। गरीब, किसान, युवा, महिला और मजदूर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाएगा।

हरसैक को जियोस्पेशियल एक्सीलेंस अवॉर्ड मिलने पर सीएम ने दी बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा को कृषि क्षेत्र में किए गए तकनीकी नवाचार तथा किसानों व पर्यावरण की मदद के लिए विकसित की गई नई तकनीक के लिए विश्व स्तर पर नई पहचान मिली है। इसके लिए नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में आयोजित जियोस्पेशियल वर्ल्ड फोरम 2026 के दौरान हरियाणा को जियोस्पेशियल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के नागरिक संसाधन सूचना विभाग के अंतर्गत संचालित हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक) द्वारा अंतरिक्ष से नागरिक सेवा की अवधारणा पर आधारित एक व्यापक एवं यूनिफाइड जियो इनेबल्ड प्रणाली विकसित की गई है जिसके लिए हरियाणा को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया है।

हरियाणा को मिले सम्मान के लिए मुख्यमंत्री ने हरसैक की समस्त टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे हरियाणा के लिए गौरव का क्षण बताया।

एसआईआर से पहले कांग्रेस अलर्ट, स्टेट लेवल मॉनिटरिंग कमेटी का विस्तार किया

चंडीगढ़। प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के बाद कांग्रेस पार्टी अलर्ट हो गई है। प्रदेश में इस प्रक्रिया को प्रभावी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से हरियाणा कांग्रेस ने अपनी राज्य स्तरीय कार्रवाई एवं निगरानी समिति का विस्तार किया है। यह जानकारी हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि कमेटी में विधायक अशोक अरोड़ा, चौधरी आफताब अहमद तथा चंद्र प्रकाश, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा, पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल व डॉ. एमएल रंगा, धर्मवीर गोयत, रिटायर्ड आईएएस विनय यादव, एडवोकेट बिजेंद्र रंगा व मोहन ढिल्लों तथा सुरेन्द्र शर्मा को शामिल किया गया है।

■ कमेटी में विधायक व वरिष्ठ नेता शामिल

एक जुलाई से शुरू होगी प्रक्रिया :प्रदेश में एक जुलाई से एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इससे पूर्व इस समिति में उनके (राव नरेंद्र सिंह) अतिरिक्त हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक भारत भूषण बत्रा, सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल एवं प्रफुल्ल गुडधे, तथा एडवोकेट रणधीर सिंह राणा शामिल थे। राव नरेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए पार्टी हरसंभव कदम उठाएगी तथा पूरी प्रक्रिया पर सतर्क निगरानी रखेगी।

प्रदेश में बाहरी लोगों को नौकरी दे रही सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि हरियाणा में अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और घोटालों की सरकार चल रही है। चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में हुड्डा ने आरोप लगाया कि सरकार हरियाणा के युवाओं की बजाय बाहरी राज्यों के लोगों को नौकरियां दे रही है, जबकि प्रदेश के युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। हुड्डा ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा और कहा कि चुनाव खत्म होते ही आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ा दिया गया। उन्होंने कहा कि खाद, बीज और डीजल महंगे हो रहे हैं, लेकिन किसानों को एमएसपी में राहत नहीं मिल रही। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और संगठित अपराध बढ़ रहा है। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि हरियाणा में रोज औसतन नौ लोग आत्महत्या कर रहे हैं, जिसका मुख्य कारण बेरोजगारी और सरकार से बढ़ती निराशा है। हुड्डा ने पेपर लीक, भर्ती रद्द होने और नीट परीक्षा लीक मामले को भी सरकार की बड़ी विफलता बताया।

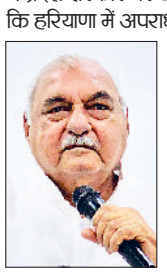

हरियाणा पुलिस सेवा के 12 अधिकारियों का तबादला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने पुलिस प्रशासन में बड़ा फेरबदल करते हुए हरियाणा पुलिस सेवा के 12 अधिकारियों के तत्काल प्रभाव से तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल की मंजूरी के बाद गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल द्वारा इस संबंध में आधिकारिक सूची जारी कर दी गई है। तबादलों की इस लिस्ट में कई महत्वपूर्ण जिलों के डीएसपी और एसीपी स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

- कप्तान सिंह डीएसपी चरखी दादरी
- नरेश कुमार एसीपी सोनीपत
- कैलाश चंद एसीपी ओल्ड फरीदाबाद
- संजीव कुमार डीएसपी रेवाड़ी
- दिनेश कुमार एसीपी बहादुरगढ़
- राहुल देव डीएसपी स्टेट विजिलेंस ब्यूरो
- राम कुमार एसीपी पंचकूला
- अमन कुमार को अतिरिक्त कार्यभार के साथ एसीपी पंचकूला नियुक्त किया गया
- निधि नैन को एसीपी सोनीपत
- संजीव कुमार को डीएसपी, फर्स्ट बटालियन एचएपी अंबाला सिटी नियुक्त किया
- अखिल कुमार एसीपी झज्जर
- जितेंद्र को डीएसपी ईआरएसएस पंचकूला

शुक्रवार को 15 एचपीएस बदले थे : गृह विभाग के अनुसार यह प्रशासनिक फेरबदल पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने रिक्त पदों को भरने और जिलों में बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। बता दें कि बीते कल भी 15 एचपीएस अधिकारियों के तबादले हुए हैं। वहीं, दो पुलिस आईपीएस को डीजी रैंक मिला है।

नूंह पुलिस ने पंजाब के अमृतसर से पकड़ा

देश विरोधी गतिविधियों व हवाला मामले में एक और गिरफ्तारी

नूंह। जिले में पिछले वर्ष नवंबर माह में सामने आए देश विरोधी गतिविधियों और हवाला लेनदेन मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल नौ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। तावडू डीएसपी अभिमन्यु लोहान ने नई गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को पंजाब के अमृतसर से पकड़ा गया है। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर आगे पूछताछ करेगी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल पुत्र बाबूराम उर्फ जगतार सिंह निवासी मुस्तफाबाद गली नंबर-8, बटाला रोड, सुभाष कॉलोनी थाना सदर अमृतसर, पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर में हुई थी, जब मेवात क्षेत्र के खरकड़ी निवासी युवा वकील रिजवान को देश विरोधी गतिविधियों और हवाला लेनदेन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए कई आरोपियों को रिमांड पर लिया और पूछताछ के आधार पर लगातार गिरफ्तारियां कीं। अब तक हुई गिरफ्तारियों में दो आरोपी मेवात क्षेत्र से जबकि अन्य आरोपी पंजाब के विभिन्न शहरों से पकड़े गए हैं। पुलिस फिलहाल पूरे नेटवर्क और उससे जुड़े लेनदेन की गहनता से जांच कर रही है। मामले में आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और आने वाले समय में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आने पर और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

■ अब तक नौ लोगों को पकड़ चुकी पुलिस

नूंह से इनामी अपराधी गिरफ्तार, राजस्थान पुलिस को सौंपा

नूंह। पुलिस ने अपराधियों एवं वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए 2000 रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई निरीक्षक सुभाष, प्रभारी सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका के नेतृत्व में गठित टीम ने की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद इरशाद पुत्र फज्जर निवासी गांव पिनगवां थाना पिनगवां जिला नूंह के रूप में हुई है। आरोपी राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के थाना गुलाबपुरा में वर्ष 2024 में दर्ज चोरी के मामले में वांछित चल रहा था। आरोपी पर पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा द्वारा फरवरी 2025 में 2000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

तैयारियों में जुटा हरियाणा विधानसभा सचिवालय

8 जून से शुरू होगा सीपीए जोन-2 सम्मेलन : स्पीकर

चंडीगढ़। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) इंडिया रीजन जोन-2 सम्मेलन की तैयारियों को लेकर हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सम्मेलन की रूपरेखा, अतिथियों के स्वागत, आवास, परिवहन, सुरक्षा, प्रोटोकॉल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा मीडिया प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि 8 जून को हरियाणा विधान सभा परिसर में सम्मेलन का उद्घाटन सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके बाद टैगोर थिएटर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन होगा तथा सायंकाल सुखना लेक क्लब में रात्रिभोज आयोजित किया जाएगा। 9 जून को विभिन्न तकनीकी सत्र और समापन कार्यक्रम 'द ललित' होटल में आयोजित किए जाएंगे। सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। हरियाणा सरकार की ओर से सम्मेलन को 'स्टेट फंक्शन' घोषित करने की प्रक्रिया भी शुरू करने पर सहमति बनी। सम्मेलन के लिए हरियाणा के इतिहास पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री तैयार की जाएगी। इस मौके पर विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

■ सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री व अन्य नेता मौजूद रहेंगे

सम्मेलन में लगभग 150 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे

सम्मेलन में आने वाले अतिथियों के लिए विशेष वाहन, मिनी एसी बसें तथा आवास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि सम्मेलन में लोक सभा अध्यक्ष, राज्य सभा के उपसभापति, प्रदेश के मुख्यमंत्री, विभिन्न राज्यों के विधान सभा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, विधायकगण तथा लोक सभा सचिवालय के अधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन में लगभग 150 प्रतिनिधियों एवं अतिथियों के शामिल होने की संभावना है। इस जोन में पांच राज्यों के विधान मंडल शामिल हैं। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, संसदीय कार्य विभाग के सचिव पंकज, शहरी स्थानीय निकाय एवं आतिथ्य विभाग के निदेशक मुकुल कुमार, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना में करें सहयोग, पहचान पत्र देखकर ही दें जानकारी : प्रशासन

चंडीगढ़। भारत सरकार द्वारा राज्य में देशव्यापी जनगणना का कार्य 1 मई से शुरू किया जा चुका है। इस दौरान प्रशासन द्वारा अधिकृत प्रगणक घर-घर पहुंचकर नागरिकों से आवश्यक सामान्य जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। आमजन गणना कर्मियों का सहयोग करें और उन्हें सटीक और नवीनतम जानकारी दें। गणना कर्मियों के पहचान पत्र अवश्य देखें और बैंक अकाउंट संबंधी कोई जानकारी साझा न करें। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। स्व-गणना के चरण के बाद प्रगणकों द्वारा अब घर-घर जाकर गणना का कार्य किया जा रहा है जो कि 30 मई तक पूरा किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और इसे किसी भी व्यक्ति या संस्था के साथ साझा नहीं किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

■ लोग बैंक खाते व ओटीपी साझा न करें

युवाओं की अनदेखी के खिलाफ 18 को पंचकूला में प्रदर्शन करेगी इनेलो : चौटाला

चंडीगढ़। सरकारी नौकरियों में प्रदेश के युवाओं की अनदेखी और भर्ती प्रक्रिया में धांधली के आरोपों को लेकर इनेलो ने 18 मई को पंचकूला में बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सुबह 11 बजे सेक्टर-4 स्थित हरियाणा लोक सेवा आयोग कार्यालय के सामने प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन किया जाएगा। इनेलो ने आरोप लगाया कि ग्रुप-बी की नौकरियों में 90 फीसदी भर्ती प्रदेश से बाहर के भाजपा शासित राज्यों के लोगों की की जा रही है, जबकि हरियाणा के योग्य युवा बेरोजगार घूम रहे हैं। पार्टी का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया में योग्य उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला करेंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा, युवा राष्ट्रीय प्रभारी कर्ण चौटाला, रानिया विधायक अर्जुन चौटाला और डबवाली विधायक आदित्य देवीलाल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे।

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा- 131039
सिपेट CIPET
फोन : 0130-2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वैबसाईट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130-2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in
एआईसीटीई स्वीकृत AICTE Approved
उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड Excellent Placement Record
सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए प्रवेश
CIPET- Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2026-27
सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2026 / CIPET ADMISSIONTEST-2026
Apply Online: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/ ऑनलाइन आवेदन करें: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/

क्रम. संख्या Sl.No.	पाठ्यक्रम का नाम Name of Course	पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration	प्रवेश योग्यता Entry Qualification
01.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
02.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
03.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी-पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT)	2 वर्ष 2 year	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3 year Degree in Science
04.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाईन विथ कैड/कैम (पीडी - पीएमडी विथ कैड/कैम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM)	1 1/2 वर्ष 1 1/2 year	मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/ उत्पादन/ मेकाट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाईल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इंस्ट्रूमेन्टेशन इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses
कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रवास
No Age Bar | Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां CIPET ADMISSION TEST (CAT)	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत तिथि Date of opening for CAT Online application submission	15.12.2025
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission	28.05.2026
	सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India	07.06.2026

संपर्क सूत्र : 9466146015, 9066356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :- 2026-27/4 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

खबर संक्षेप

दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने की आरोपी युवती व साजिशकर्ता गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। जिला पुलिस ने दसवीं की परीक्षा में दूसरे के स्थान पर बैठने व परीक्षा दिलवाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना केयूके पुलिस टीम ने आरोपी युवती निवासी कैथल तथा दूसरे से परीक्षा दिलवाने वाले के मुख्य आरोपी विनोद कुमार निवासी सीवन, जिला कैथल को पकड़ा है। लेक्चरर नरेंद्र सिंह ने बताया कि वह 15 मई को गुरुकुल में सीबीएसई दसवीं की परीक्षा में बतौर सुपरिंटेंडेंट तैनात थे। उन्हें एक युवती की कद-काठी से शक हुआ कि यह युवती दसवीं की छात्रा नहीं लगती। जांच में फर्जीवाड़ा पकड़ा गया। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करके अदालत के आदेश से कारागार भेज दिया।

नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 साल की कैद

जींद। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट शिफा की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने पर दोषी को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने दोषी पर 55 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उचाना थाना पुलिस को एक व्यक्ति ने शिकायत देकर बताया था कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ गांव घोघड़िया निवासी जगदीप ने बहला-फुसला कर दुष्कर्म किया और बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने 26 सितंबर 2024 को जगदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। उसी समय जगदीप को भी गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।

दो जगह बहाया खून : गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला खरखौदा व झज्जर

पेशी पर आए हिस्ट्रीशीटर कातिया की कोर्ट परिसर के बाहर गोलियों से भूनकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

खरखौदा कोर्ट में शनिवार को तारीख पर आए झज्जर के दूबलधन निवासी हिस्ट्रीशीटर नीरज उर्फ कातिया की तीन-चार अज्ञात हमलावरों ने गोलियां मारकर हत्या कर दी। उप मंडल कार्यालय के मेन गेट के सामने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग ने सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, नीरज खरखौदा कोर्ट में 2019 में हुए दहेज के मुकदमे की तारीख पर आया था। वह दोपहर करीब 12:30 बजे कोर्ट परिसर से बाहर आया। उसी समय उपमंडल कार्यालय के मेन गेट के सामने हमलावर ब्रेजा गाड़ी में आए और नीरज को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही नीरज जमीन पर गिर पड़ा और हमलावरों ने नीरज पर 5-6 गोलियां बरसा दीं। गोलियां नीरज के सिर व मुंह पर लगीं, जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नीरज के साथ उसके दो दोस्त भी साथ आए हुए थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

पत्नी से चल रहा है केस

नीरज उर्फ कातिया जो कि दूबलधन गांव का निवासी है, इन दिनों वह गुरुग्राम में रह रहा था। कुछ वर्ष पहले उसकी शादी किढौली गांव में हुई थी। उसकी पत्नी ने 2019 में उस पर दहेज संबंधी मुकदमा दर्ज करवाया था, जिसकी कोर्ट में सुनवाई चल रही थी।

दर्ज हैं कई मुकदमे

एसीपी जोगेंद्र शर्मा का कहना है कि नीरज उर्फ कातिया पर पहले भी हत्या सहित कई मुकदमे दर्ज हैं। झज्जर जिले में उसे हिस्ट्रीशीटर भी घोषित किया हुआ है। पुलिस टीमों द्वारा आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

पहले गाड़ी से टक्कर, फिर 6 गोलियां मारीं

खरखौदा। मौके पर जांच करती पुलिस टीम व इनसेट में मृतक का फाइल फोटो।

झज्जर में पुरानी रंजिश के चलते 25-30 गोलियां चलाकर युवक को मार डाला

मृतक हितेश

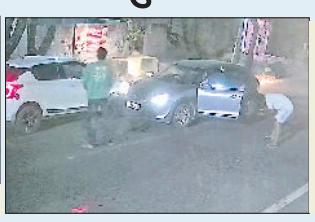

झज्जर। सुबाना में हमलावर गोलियां चलाते हुए कैमरे में हुए कैद।

हरिभूमि न्यूज/झज्जर। क्षेत्र के गांव सुबाना में शुक्रवार देर रात कार सवार चार बदमाशों ने युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी। बेखौफ बदमाशों ने एक के बाद एक पच्चीस से तीस राउंड फायर किए और मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। युवक की पहचान 24 वर्षीय हितेश उर्फ गुल्लू पुत्र नरेश के तौर पर की गई है। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए शव को स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया गया है। मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। पुलिस को दी शिकायत में यतेंद्र पुत्र बलजीत निवासी सुबाना ने बताया कि शुक्रवार सायं करीब सवा दस बजे वह अपने गेट के बाहर खड़ा था और मेरे चाचा का लड़का हितेश मकान के सामने गाड़ी में था। उसके साथ दीपक पुत्र रणबीर निवासी सुबाना कंडेक्टर सीट पर बैठा था। इसी दौरान बाबेपुर गांव की ओर से एक गाड़ी कार के पास आकर रूकी और गाड़ी में सवार चार युवकों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दी, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को दी शिकायत में प्रदीप व ढिकेश व दो अन्य युवकों पर आपसी रंजिश के कारण हत्या करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र के घर सुरक्षा में चूक

घर में घुसे बदमाशों ने कैमरे के तार काटे, कर्मचारियों के कमरे को बाहर से किया बंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के शिव कॉलोनी में स्थित पुश्तैनी मकान में शुक्रवार आधी रात को बदमाशों ने धावा बोल दिया। पीछे की दीवार फांदकर अंदर घुसने के बाद सीसीटीवी कैमरे की तार भी काटी गई। स्टाफ के उठ जाने और शोर मचाने पर बदमाश भाग खड़े हुए। यह आरोप लगाते हुए राव नरेंद्र सिंह के बड़े भाई राव देवेंद्र सिंह ने सिटी थाना में केस दर्ज करवाया है। पुलिस, फॉरेंसिक व साइबर सेल की टीम ने मौके पर जांच की है।

राव देवेंद्र सिंह ने बताया कि 16 मई की अलसुबह करीब तीन बजे चार से पांच बदमाश साथ वाले प्लॉट की दीवार लांघकर घर के पिछले हिस्से में दाखिल हुए। बदमाशों ने सीसीटीवी कैमरे के तार काट दिए। इसके बाद उन्होंने सर्वेंट क्वॉर्टर में सो रहे कर्मचारियों के कमरों को बाहर से बंद कर दिया। और पिछले गेट के ताले को काट डाला। इतने में सर्वेंट क्वॉर्टर में सोए स्टाफ की आंख खुल गई। उन्होंने खिड़की से देखा तो एक बदमाश के हाथ में कोई पिस्टल या एक के हाथ में कुल्हाड़ीनुमा हथियार भी था। उन्होंने राव देवेंद्र को फोन पर जानकारी दी और शोर मचाना शुरू कर दिया। इस पर बदमाश घर से भाग खड़े हुए।

हथियारों से लैस होकर पीछे के रास्ते में अंदर घुसे 4-5 बदमाश, कर्मचारियों ने नींद खुलने पर शोर मचाया तो भागे

गैंगस्टरों के खिलाफ लगातार बोल रहे

शिकायतकर्ता राव देवेंद्रसिंह ने बताया है कि भाई राव नरेंद्र सिंह ने अलग-अलग क्रिमिनल गैंग्स का नाम लेकर हरियाणा और केंद्र सरकार से कार्रवाई की कई बार मांग की है। राव नरेंद्र द्वारा लगातार न केवल नारनौल, महेंद्रगढ़ व मेवात के क्षेत्र में हो रही माइनिंग माफिया द्वारा अंधाधुंध लूट के खिलाफ आवाज उठाई है बल्कि नाजायज शराब माफिया, ड्रग्स माफिया, पेपर माफिया आदि के खिलाफ भी मोर्चा खोला हुआ है। इनमें से कोई भी हमलावर हो सकते हैं।

अस्पताल में बत्ती गुल, स्टाफ भी नहीं दिखा पार्किंग में सास ने ही करवाई डिलीवरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ सेक्टर 3 स्थित सरकारी अस्पताल फर्स्ट रेफरल यूनिट में शुक्रवार-शनिवार रात करीब 2 बजे महिला की डिलीवरी के दौरान लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। बड़ौली गांव का एक परिवार महिला की डिलीवरी कराने पहुंचा। महिला बलेश के जेठ चमन ने आरोप लगाया कि रात में अस्पताल का मेन गेट बंद था और इमरजेंसी में भी स्टाफ नहीं था। वे पार्किंग में अंधेरे में ही खड़े थे। बलेश की हालत गंभीर होती जा रही थी। मजबूरी में मां को ही बलेश की डिलीवरी करानी पड़ी। अगर समय से डिलीवरी न होती बलेश और उसके बच्चे, दोनों की मौत हो सकती थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि डिलीवरी के बाद स्टाफ आया और तब भी टॉर्च की रोशनी में ही महिला को संभाला। वहीं, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रचना ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। अस्पताल के स्टाफ को तैयार होने में 5-7 मिनट लग गए। इसी बीच, महिला की डिलीवरी पार्किंग में हो गई। स्टाफ ने पार्किंग में ही सारी प्रक्रिया पूरी की। मामले की जांच करवाई जा रही है।

पिता को बचाते हुए 13 वर्षीय बेटी भी यमुना नदी में डूबी

पानीपत। पानीपत में शनिवार को यमुना नदी में स्नान करते हुए पटना निवासी 13 वर्षीय चांदनी व उसके पिता मनोज की डूबने से मौत हो गई। पता चला है कि मनोज अमावस्य पर स्नान के लिए परिवार समेत यमुना नदी पर गया था। यहां स्नान करने के दौरान मनोज की 6 वर्षीय बेटी कैरा पानी में डूबने लगी। बेटी को डूबता देख मनोज पानी में उतर गया, मनोज जैसे तैसे कैना को किनारे ले आया, लेकिन इस दौरान मनोज फिर पानी में बह गया। पिता मनोज को बचाने के लिए बेटी चांदनी यमुना में कूद गई। वहीं, चांदनी व मनोज यमुना नदी के पानी में लापता हो गए। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इधर, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसे में जूडो के राष्ट्रीय खिलाड़ी की मौत

- एशियन व कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप और चार बार राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीत चुका था पानीपत का नरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

गांव चाबरी टोल प्लाजा के निकट जींद-गोहाना ग्रीन फिल्ड हाईवे पर ट्रक तथा कार के बीच हुई भिड़ंत में कार चालक की मौत हो गई। मृतक जूडो का राष्ट्रीय स्तर खिलाड़ी था। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने पिता रोहताश की शिकायत पर फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मृतक चार बार नेशनल गेम खेल चुका था और विदेशों में शानदार प्रदर्शन किया था। गांव जौरासी जिला पानीपत निवासी नरेश (24) शनिवार सुबह कार में सवार होकर जींद आ रहा था। गांव चाबरी टोल प्लाजा से निकलते ही आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे कार ट्रक के पीछे जा घुसी। इसमें नरेश बुरी तरह कार में फंस गया। राहगीरों ने गंभीर हालत में नरेश को नागरिक अस्पातल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पिता रोहताश ने बताया कि नरेश जूडो का राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी था। वह लेबनान, एशियन चैंपियन, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में तथा चार बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप मेडल जीत चुका था। मृतक नरेश पांच भाई व बहनों में सबसे छोटा था।

हरियाणा सरकार
NATIONAL PROGRAMME FOR PREVENTION & CONTROL OF NON-COMMUNICABLE DISEASES (NP-NCD)

Hypertension is the leading preventable risk factor for Cardiovascular disease

उच्च रक्तचाप
धीरे-धीरे जानलेवा
बन सकता है

नियमित रूप से अपने ब्लड प्रेशर की जांच करें

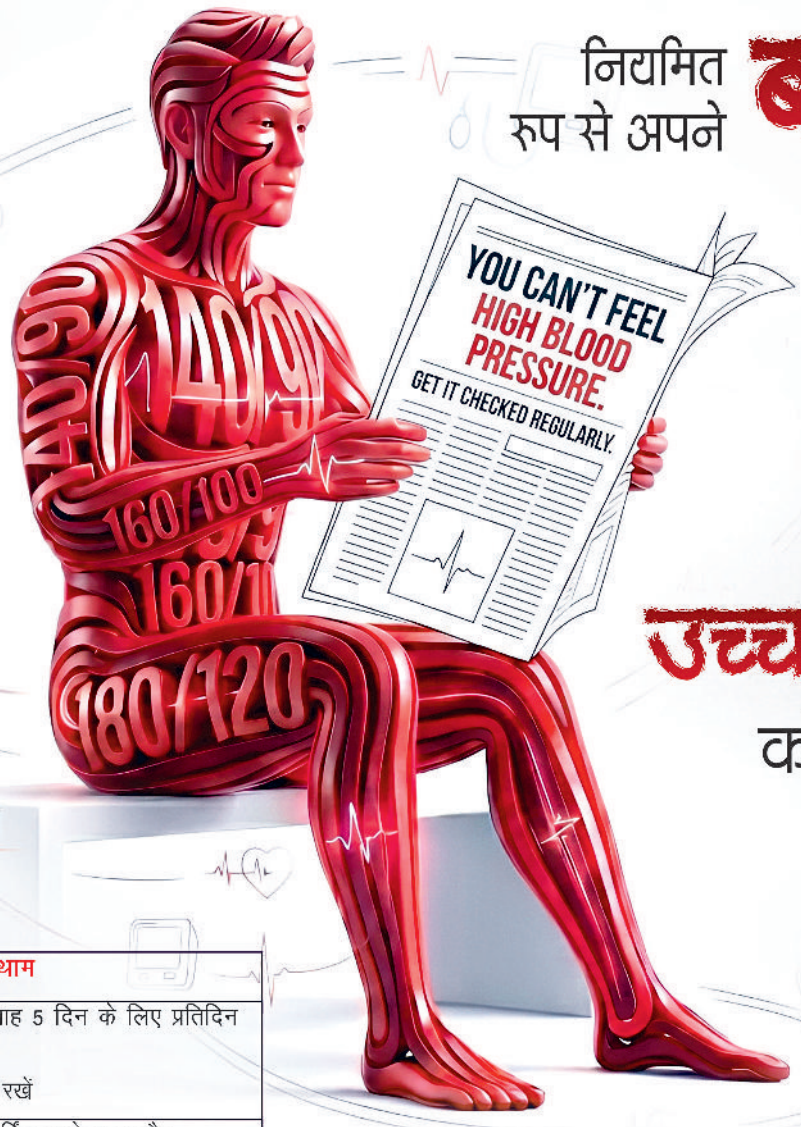

विश्व उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) दिवस 17 मई, 2026

उच्च रक्तचाप को नियंत्रण में रखें

आइए मिलकर उच्च रक्चाप पर नियंत्रण पाएं

जोखिम कारक	रोकथाम
शारीरिक निष्क्रियता और तनाव	नियमित व्यायाम करें (प्रति सप्ताह 5 दिन के लिए प्रतिदिन कम से कम 30 – 45 मिनट) शरीर का वजन सामान्य बनाए रखें
अस्वस्थ आहार (चीनी, नमक, वसा से भरपूर आहार और सब्जियों और फलों का कम सेवन)	स्वस्थ आहार लें (प्रतिदिन 5 सर्विंग ताजे फल और सब्जियाँ)/ प्रतिदिन 1 चम्मच या 5 ग्राम तक नमक का सेवन कम करें
तम्बाकू का सेवन (धूम्रपान और धूम्रपान रहित दोनों)	किसी भी रूप में शराब और तंबाकू के सेवन से बचें
शराब का सेवन	

उच्च रक्तचाप वाले लोगों को:

- स्वस्थ जीवनशैली का पालन करना चाहिए
- नियमित रूप से दवाएँ लेनी चाहिए
- उच्च रक्तचाप की जटिलताओं के लिए नियमित रूप से फॉलोअप और मूल्यांकन करवाना चाहिए।
- निर्धारित दवा का पालन करना चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा
www.nhmharyana.gov.in
डायल करो 112 एम्बुलेंस की सेवा लो
Please scan QR Code to visit us
Please Follow us on
@NHMHRY @NationalHealthMissionHaryana @haryananhm @nhmharyana9720

स्वस्थ भोजन करने और प्रतिदिन व्यायाम करने से उच्च रक्चाप दूर रहेगा

image generated through Artificial Intelligence (AI) technology

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

खबर संक्षेप

सरकार ने चांदी के आयात पर अंकुश लगाया

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को चांदी के आयात को प्रतिबंधित श्रेणी में रखने का निर्णय किया। कीमती धातुओं पर भारी सीमा शुल्क लगाने के कुछ ही दिनों बाद यह कदम उठाया गया है। प्रतिबंधित श्रेणी के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं के आयात के लिए सरकारी लाइसेंस की आवश्यकता होती है। सरकार ने 13 मई को कीमती धातुओं पर आयात शुल्क छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया था। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा कि सोने और प्लैटिनम के साथ मिलाई जाने वाली चांदी सहित चांदी की आयात नीति को तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में कर दिया गया है।

अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रु. मिलेगा: धामी

देहरादून। उत्तराखंड में श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। धामी सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है। अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रुपए वेतन मिलेगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों को 16,900 रुपए मिलेगा। नई वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा ओवरटाइम, बोनस और अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

बस में लगी आग, 4 साल का मासूम जिंदा जला

शाजापुर। इंदौर से ग्वालियर आ रही इंटरसिटी ट्रेवल्स की एसी स्लीपर वॉल्वो बस में नेशनल हाईवे-52 पर स्थित एक होटल के पास अचानक भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 4 साल के मासूम अनय की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब बस चाय-नाश्ते के लिए रुकी थी। बस में 36 यात्री सवार थे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

जासूसी और डेटा चोरी ने सुपरपॉवर को भी डराया

ट्रंप को चीन से मिले गिफ्ट डस्टबिन में फेंक दिए गए

विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं, 9 साल बाद तीन दिवसीय यात्रा पर चीन पहुंचे थे ट्रंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीन दिवसीय चीन यात्रा भले ही खत्म हो गई है, लेकिन उनकी वापसी से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जासूसी और डेटा चोरी के डर से ट्रंप के डेलिगेशन ने 'एयर फोर्स वन' विमान में सवार होने से पहले, चीनी अधिकारियों द्वारा दिए गए सभी गिफ्ट्स और सामानों को नष्ट कर दिया या फिर वहीं छोड़ दिया। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी डेलिगेशन ने वापसी से पहले उन सभी चीजों को इकट्ठा किया जो उन्हें उनके चीनी मेजबानों ने दी थीं। इनमें वाइट हाउस के कर्मचारियों को जारी किए गए बर्नर फोन, डेलिगेशन पिन, क्रेडेंशियल्स (पहचान पत्र) और अन्य चीजें शामिल थीं। एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले इन सभी चीजों को वहीं डस्टबिन में फेंक दिया गया या नष्ट कर दिया गया।

इसे हाई लेवल काउंटर इंटेलीजेंस का हिस्सा बताया जा रहा

विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं

अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहीं न्यूयॉर्क पोस्ट की संवाददाता एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भर रहे हैं। हालांकि वाशिंगटन लौट रहे ट्रंप प्रशासन या खुद वाइट हाउस की तरफ से सामानों को नष्ट किए जाने की इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

हाई लेवल काउंटर इंटेलीजेंस का हिस्सा

माना जा रहा है कि यह कदम अमेरिका की 'हाई-लेवल काउंटर-इंटेलिजेंस' और सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा है। दरअसल, जब भी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल किसी विरोधी देश का दौरा करते हैं, तो संभावित जासूसी या डेटा चोरी के खतरे से बचने के लिए अधिकारी मानक प्रोटोकॉल के तहत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संवेदनशील सामग्रियों को नष्ट कर देते हैं।

9 साल बाद चीन पहुंचे थे ट्रंप

यह करीब 9 साल में डोनाल्ड ट्रंप का पहला चीन दौरा था। इस दौरान उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सातवीं बार आमने-सामने मुलाकात की। यह सख्त सुरक्षा कदम 'झोंगनानहाई लीडरशिप कंपाउंड' में ट्रंप और जिनपिंग की आखिरी दौर की बैठकों के बाद उठाया गया। बता दें कि दोनों नेताओं ने अपनी बातचीत के बाद इस ऐतिहासिक परिसर में एक छोटी सी सैर भी की थी, जो अपने सदियों पुराने पेड़ों, चीनी गुलाबों और पारंपरिक वास्तुकला के लिए जाना जाता है।

एलन देगा री-नीट देने वाले सभी 23 लाख छात्रों को निःशुल्क अकेडमिक सपोर्ट

कोटा। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया हैं। स्टूडेंट फर्स्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को निशुल्क दी जा रही है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि हम समझते हैं कि यह समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन एक्सपटर्स फैकल्टीज के निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट के साथ कई अन्य सुविधाएं आज 15 मई से शुरू की जा रही है।

पॉक्सो केस में लुकआउट नोटिस हुआ था जारी

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय बोले- बेटे को पुलिस के हवाले किया

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने पॉक्सो केस में आरोपी बेटे बंदी भगीरथ को पुलिस को सौंप दिया है। बंदी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं। हालांकि बंदी संजय के बयान के आधे घंटे बाद ही तेलंगाना पुलिस ने कहा- आरोपी भगीरथ को हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है। यह सरेंडर नहीं है। इस मामले में पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था, ताकि वे देश छोड़कर न जा सके। यह मामला 17 साल की लड़की की मां की शिकायत पर दर्ज हुआ है। आरोप है कि भगीरथ ने शादी का वादा कर नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया। पुलिस ने 8 मई को पॉक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भगीरथ को गिरफ्तारी से राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले किया गया।

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

मध्यप्रदेश के सीएम ने लिया सख्त एक्शन

एसडीएम-नायब तहसीलदार एसडीओपी निलंबित किए गए

सीएम ने कहा हादसे के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

फाइल फोटो

देवास जिले के पटाखा फैक्ट्री हादसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सख्त एक्शन लिया है। उन्होंने एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओ (पुलिस) दीपा मांडवे को निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में सक्सेना और शर्मा को देवास कलेक्टर कार्यालय अटैच किया गया है। जबकि, दीपा को भोपाल स्थित पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। शासन की ओर से इनके निलंबन के आदेश भी जारी हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट कहना है कि इस हादसे के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संभागायुक्त के आदेश के मुताबिक एसडीएम संजीव सक्सेना और टप्पा चिडावद, तहसील टोंकखुर्द के नायब तहसीलदार रवि शर्मा द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और अनियमितता बरती गई। एसडीओ (पुलिस) दीपा मांडवे ने समय-समय पर शासन स्तर से जारी निर्देशों के आधार पर उक्त फैक्ट्री के संचालन का निरीक्षण नहीं किया।

न्यायिक जांच आयोग भी बनाया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा भी की थी। राज्य शासन ने एकल सदस्य उच्च न्यायालय के मान सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच आयोग के गठन की अधिसूचना जारी की है।

नीले के बाद अब हरे ड्रम का खौफ

महिला ने पति के साथ मिलकर की प्रेमी की हत्या, ड्रम में फेंका

एजेंसी ▶▶| मुंबई

देश अभी 'नीले ड्रम' वाले चर्चित मर्डर केस की दहशत से पूरी तरह बाहर भी नहीं निकल पाया था कि अब मुंबई से सटे मुंब्रा इलाके से एक और रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर है। इस बार सोशल मीडिया पर 'हरे ड्रम' का नाम तेजी से वायरल हो रहा है। एक महिला ने अपने पति और भाई के साथ मिलकर अपने ही प्रेमी की हत्या कर दी और फिर शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे हरे रंग के प्लास्टिक ड्रम में भरकर सुनसान नाले में फेंक दिया।

प्रेम संबंध बना मौत की वजह

बताया जा रहा है कि महिला का कथित तौर पर एक युवक के साथ प्रेम संबंध था, लेकिन इसी रिश्ते ने धीरे-धीरे खतरनाक मोड़ ले लिया। महिला ने पति और भाई के साथ प्रेमी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस को शक है कि हत्या पूरी प्लानिंग के साथ की गई।

सिक्किम पहुंचे उपराष्ट्रपति

गंगटोक। यहां सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन (बाएं) का सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर (बीच में) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग द्वारा स्वागत किया।

इंदौर की प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग

इंदौर। धार रोड स्थित प्लास्टिक दाना बनाने वाली फैक्ट्री डीयू ड्रॉप एरिगेशन में शनिवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि उसका काला धुआं कई किमी दूर से दिखाई दिया। आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया है ताकि किसी तरह की जनहानि न हो। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 7 गाड़ियां और 45 से अधिक पानी के टैंकर जुटे रहे। पानी की कमी के कारण आ रही रुकावट को देखते हुए पोकलेन मशीन और अत्याधुनिक फायर फाइटिंग रोबोट की मदद ली गई। 9 घंटे तक आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है।

कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव

कोलकाता। यहां के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अदा करने की कोशिश की। हाल ही में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है।

राशिफल

मेष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन — मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह — शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर — वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि

कुंभ — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन — शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति को समझो: आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन में पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित

हरिद्वार। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) की मुख्य पहल "ज्ञानभारतम मिशन" के अंतर्गत, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित 'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' पर पंचदिवसीय कार्यशाला पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित की गई। इसी क्रम में, संस्कृति, धरोहर, संरक्षण और उन्हें स्थिर करने की वैज्ञानिक विधियों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों का स्वागत माला और स्मृति चिह्न भेंट करके किया गया। इस पंचदिवसीय श्रृंखला के पांचवें दिवस श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने 'देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति' को समझने का उद्घोष करते हुए कहा कि जीर्ण-क्षीर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण का उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल संरक्षण ही नहीं बल्कि प्राचीन पांडुलिपियों के साथ-साथ नए लेखन कार्य को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि 400–500 वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को संशोधित एवं पुनर्संरक्षित करके उन्हें नए स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बन सकें। साथ ही, उन्होंने 'साक्ष्य-आधारित दस्तावेजों' और प्रमाणों के संरक्षण पर जोर दिया, जिसमें शास्त्रीय ग्रंथों, दस्तावेजों, 'बाबरनामा' और 'आईने अकबरी' जैसे ऐतिहासिक स्रोतों का संदर्भ लेकर इतिहास की गहन समझ विकसित करने की बात कही गई। पतंजलि के प्रयासों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने 'साक्ष्य-आधारित इतिहास लेखन' की दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया।

'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' विषय पर होगा कार्यक्रम

14 से 18 आयु वर्ग के दो करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर

नई दिल्ली। पहले कोरोना महामारी और उसके बाद अलग-अलग कारणों से स्कूलों से दूर होते बच्चों को फिर से वापस लाने के बेहद संवेदनशील मामले को लेकर शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। पीएलएफएस के ताजा अनुमान बताते हैं कि वर्तमान में 14 से लेकर 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के कुल करीब 2 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर यानी आउट ऑफ स्कूल हैं। वहीं, कक्षा 1 में दाखिला लेने वाले 100 में से केवल 62 बच्चे ही 12वीं कक्षा तक पहुंच पाते हैं। मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने बच्चों के द्वारा अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के मामले को बेहद गंभीर माना और कहा कि इसके पीछे आर्थिक कारण, घरेलू मजबूरियां और आजीविका से जुड़ी हुई चुनौतियां हो सकती हैं। जिसे देखते हुए इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की आवश्यकता है।

चिंतित शिक्षा मंत्रालय ने की समीक्षा बैठक

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF
Dhiraj Yadav
Civil Judge (Junior Division),
State Bank of India Through Sanjay Dhingra
Vs.
Manjeet Singh S/o Raj Singh
CNR No. HRJRA0-000267-2021
Next Date : 18.05.2026
CIS-RS/75/2021
PUBLICATION ISSUED TO :-
1. Manjeet Singh S/o Raj Singh, 2. Rajbala Wd/o Raj Singh Both R/o :-
Gali No. 3, Mahabir Park, Bahadurgarh
In above titled case, the defendant(s)/ respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s) / respondent(s) should appear in person or through counsel on **18.05.2026 at 10:00 a.m.**
For details logon to **https://highcourtchd.gov.in/?mod=district_notice&district=Jhajjar**
Sd/- Civil Judge (Junior Division)
Dated, this day of 08.05.2026

शब्द पहेली - 6228

1	2	■	3	4	■	5	6	■	7	8
9		10	■	11	12	■	13	14	■	
■	15		16	■	17	18	■	19	20	■
21	■	22		23	■	24	25	■	26	27
28	29	■	30		31	■	32	33	■	
■	34	35	■	36		37	■	38	39	■
40	■	41	42	■	43		44	■	45	46
47	48	■	49	50	■	51		52	■	
■	53	54	■	55	56	■	57		58	■
59	■	60	61	■	62	63	■	64		65
66		■	67		■	68		■	69	

बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली- 6227 का हल

■	ल	ज्ज	त	दा	र	■	क	र	त	ब
म	त	■	क	■	ज	टि	ल	■	वा	र
न	■	क	रा	मा	त	■	म	य	■	ग
भा	गी	दा	र	■	प	ल	■	म	द	द
व	■	चा	■	अ	ट	ल	■	■	रा	■
न	ज	र	बं	द	■	का	न	भ	र	ना
■	मी	■	■	र	न	र	■	इ	■	म
अ	न	ल	■	क	र	■	अ	क	ब	र
म	■	ता	क	■	क	त	र	ना	■	ख
रू	ह	■	ह	ल	वा	■	दा	■	आ	ना
द	म	दा	र	■	स	न	स	ना	ना	■

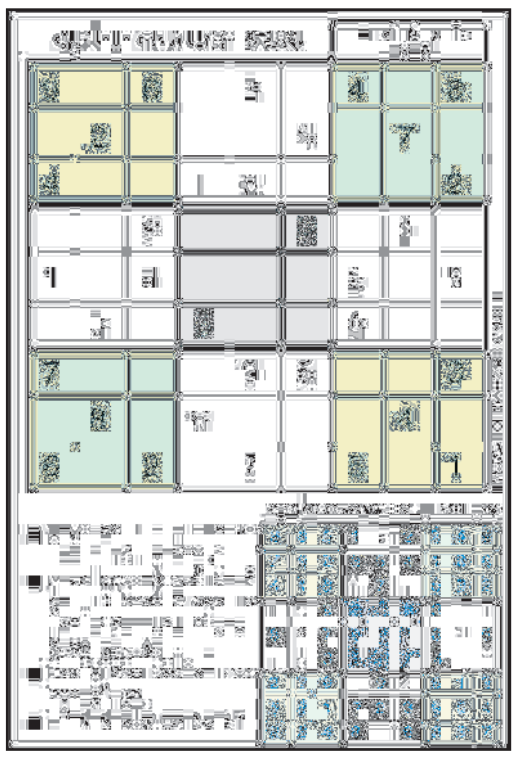

बंगाल में हार के बाद पहली बार ममता ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

जो टीएमसी को छोड़कर जाना चाहता हैं तो जाए

पार्टी को फिर खड़ा करने की अपील

बोलीं जरूरत पड़ी तो खुद ही दफ्तर में पेंट करूंगी

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं से टीएमसी के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी दफ्तरों को दोबारा खोलेंगे, उन्हें रंगेंगे और मजबूती से काम पर लौटेंगे। जरूरत पड़ी तो मैं खुद भी दफ्तरों को पेंट करने के लिए तैयार हूं।

इसके बाद उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जाना चाहते हैं, वे पूरी तरह आजाद हैं और वे किसी को भी जबरदस्ती रोक कर रखने में यकीन नहीं रखतीं। बैठक के दौरान ममता के भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव के नतीजों में भले ही टीएमसी को 80 सीटें मिली हों, लेकिन यह जनादेश की लूट है। इससे उनका हौसला नहीं टूटेगा। 21 मई को फालता सीट पर होने वाले उपचुनाव के उम्मीदवार भी मौजूद थे। फालता में 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी, लेकिन ईवीएम छेड़खानी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया। 4 मई को 293 सीटों में भाजपा को 207 सीटें मिली थीं।

अपने आवास पर बैठक में दिया कड़ा संदेश

तृणमूल कांग्रेस की ओर से बैठक के बारे में लिखा गया, 'आज, हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी और हमारे राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कालीघाट में हमारे उम्मीदवारों से मुलाकात की। उन्होंने अकल्पनीय अत्याचारों और निरंतर धमकियों का सामना करते हुए भी अद्वितीय साहस के साथ चुनाव लड़ा।' पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने इस बैठक का इस्तेमाल चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया।

बंगाल सरकार ने पुलिस कल्याण बोर्ड भंग किया

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल सरकार ने शनिवार को पुलिस कल्याण बोर्ड को भंग कर दिया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने यह जानकारी दी। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर में प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मियों पर हमले किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और कानून-व्यवस्था सख्ती से लागू की जाएगी।

शुभेंदु ने पुलिसिंग और प्रशासन पर अपनी सरकार का रुख रेखांकित करते हुए कहा कि पहले शासकों का कानून था; अब कानून का शासन है।" उन्होंने कहा कि पुलिस कल्याण बोर्ड का गठन नेक इरादे से किया गया था। लेकिन अंततः यह एक पार्टी का मुखौटा संगठन बन गया। मुझे नहीं पता कि इससे पुलिसकर्मियों के कल्याण में क्या लाभ हुआ, लेकिन यह अवैध रूप से (नौकरी की अवधि बढ़ाने का) अड्डा बन गया। कुछ लोगों को व्यक्तिगत रूप से इसका फायदा मिला है। आज हम इस बोर्ड को भंग कर रहे हैं। महिला पुलिसकर्मियों को उनके गृह जिलों के भीतर ही तैनाती में प्राथमिकता दी जाएगी।

- पुलिसकर्मियों पर हमले बर्दाश्त नहीं होंगे: शुभेंदु अधिकारी
- बोले कोई जबरन वसूली में शामिल है, तो सूचना दें

उत्तर प्रदेश में पांच दिन में महिला ने 4 बच्चों को दिया जन्म, सभी सुरक्षित

मुरादाबाद (उप्र)। मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी अस्पताल में एक बेहद दुर्लभ मामला सामने आया है। संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र के ओवरी गांव की रहने वाली अमीना ने महज पांच दिनों के भीतर चार बच्चों को जन्म दिया है। खास बात यह रही कि चारों बच्चों की डिलीवरी सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) से हुई। डॉक्टरों के अनुसार यह मामला न केवल अस्पताल बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बेहद दुर्लभ है। फिलहाल मां और चारों नवजात बच्चों की हालत स्थिर बताई जा रही है। शुरुआती अल्ट्रासाउंड में डॉक्टरों को पता चला कि उनके गर्भ में चार बच्चे पल रहे हैं। अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों की एक विशेष टीम की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, चार बच्चों की प्रेगनेंसी बेहद हाई-रिस्क मानी जाती है। ऐसे मामलों में मां और बच्चों की जान को खतरा रहता है। डॉक्टरों ने परिवार को 'फीटल रिडक्शन' का विकल्प दिया था, ताकि दो बच्चों को कम करके बाकी दो बच्चों को सुरक्षित रखा जा सके। मां अमीना ने सभी को जन्म देने का फैसला लिया।

- नॉर्मल डिलीवरी देख डॉक्टर हैरान, दो बेटे व दो बेटियां
- तीन महीने की गर्भावस्था में पता चला था चार बच्चे हैं

पंजाब में घर के पास खेलते समय गिरा था

होशियारपुर में चार साल का मासूम बोरवेल में गिरा, नौ घंटे में निकाला

होशियारपुर(पंजाब)। जिले के गांव भीखोवाल में शुक्रवार शाम को खेलते-खेलते तीन साल का मासूम बोरवेल के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गया। घटना के बाद प्रशासन, पुलिस और स्वयंसेवी संगठनों की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। लुधियाना से भी एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। नौ घंटे बाद देर रात 12.40 बजे बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया गया। रविंदर सिंह का तीन वर्षीय बेटा गुरकरन सिंह उर्फ वंश शुक्रवार को घर के पास खेल रहा था। पास ही करीब दो सप्ताह पहले परिवार ने बोर करवाया था। इसके लिए 15 फीट का गड्ढा खोदा गया था, जिसे अभी तक भरा नहीं गया था। दोपहर करीब चार बजे खेलते हुए वंश बोर के पास पहुंचा तो पैर फिसलने से गड्ढे में जा गिरा। परिवार ने अन्य लोगों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचना दी।

अरुणाचल की 'भ्रष्टाचारी' अफसर पर कार्रवाई

राष्ट्रपति ने 23 साल की नौकरी के बाद आईएएस को किया बर्खास्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोपों में एक आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल के खिलाफ दुर्लभ और बेहद सख्त कदम उठाया है। 2003 बैच की एजीएमयूटी कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह बर्खास्तगी आदेश कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की सिफारिश पर भारत की राष्ट्रपति की अंतिम मंजूरी के बाद जारी किया गया है।

क्या है पूरा मामला?

यह कार्रवाई 18 साल पुराने मामले से जुड़ी है। यह मामला वर्ष 2007-08 का है, जब पद्मा अरुणाचल के पश्चिम कामेंग जिले में उपायुक्त के पद पर तैनात थीं। फरवरी 2008 में स्थानीय निवासियों द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत में उन पर अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करने और सरकारी धन के गबन के गंभीर आरोप लगाए गए थे। उन्हें अप्रैल 2008 में निलंबित कर दिया गया था।

'आई लव यू पापा'

प्रतीक यादव की अस्थियां हरिद्वार में विसर्जित, बेटी के पापा को विदाई वाले कार्ड ने सबको रुला दिया

हरिद्वार। मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव की अस्थियां शनिवार को हरिद्वार में गंगा में पूरे विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ विसर्जित की गईं। अस्थियों को चाचा शिवपाल यादव के बेटे आदित्य ने प्रवाहित किया। इस दौरान पत्नी अपर्णा यादव और दोनों बेटियां भी साथ रहीं। विसर्जन से कुछ मिनट पहले प्रतीक की बेटी पद्मजा ने एक कार्ड में आई लव यू पापा लिखकर गंगा में प्रवाहित किया। जिसने भी यह भावुक पल देखा उसकी आंखों में आंसू गए। प्रतीक यादव की इस अंतिम क्रिया के वक्त यानि अस्थि विसर्जन के दौरान योग गुरू बाबा रामदेव भी मौजूद रहे।

सीएम विजय पुलिस और सामान्य प्रशासन संभालेंगे

चेन्नई (भाषा)। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की सिफारिश पर 10 मई को उनके साथ शपथ लेने वाले मंत्रियों को विभाग आवंटित कर दिए हैं। लोक भवन के मुताबिक, मुख्यमंत्री विजय लोक प्रशासन, सामान्य प्रशासन, पुलिस, महिला एवं युवा कल्याण, बच्चों, वृद्धों, दिव्यांगजनों के कल्याण, नगरपालिका प्रशासन और शहरी एवं जल आपूर्ति विभाग संभालेंगे।

लुधियाना की फर्नीचर फैक्ट्री में भीषण आग

लुधियाना(एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में जगराओं के पास कोठे खजूरा मार्ग पर स्थित एक फर्नीचर फैक्ट्री में शनिवार दोपहर बाद भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भयंकर थी कि उससे उठने वाला धुएं का गुबार करीब दो किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। घटना के समय फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और सभी ने भागकर अपनी जान बचाई।

लोकसभा की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़े

संसदीय समितियों की बैठकों में अनुपस्थित रहे काफी सदस्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले सितंबर में पुनर्गठन के बाद से संसद की विभिन्न विभागों संबंधी 16 स्थायी समितियों और लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठकों में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए औसतन 53 प्रतिशत सदस्य ही उपस्थित रहे। आंकड़ों के अनुसार 'कोरम' पूरा न होने के कारण संसदीय समितियों की पांच बैठकों को स्थगित करना पड़ा। कोरम पूरा करने के लिए कम से कम 11 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होती है। कोरम का अर्थ समिति या सदन की बैठक चलाने के लिए उपस्थिति सदस्यों की एक निश्चित न्यूनतम संख्या होनी चाहिए। दूरसंचार क्षेत्र में आत्मनिर्भरता विषय पर चर्चा के लिए निर्धारित संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति की बैठक कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित कर दी गई।

औसतन 53 प्रतिशत की रही उपस्थिति

केंद्र की सरकार को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। हाल ही में हुए बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में चुनाव परिणाम इसी ओर इशारा कर रहे हैं। मतदाता अब जागरूक हो गए हैं। वे केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषायी अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कह सकते हैं कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। क्षेत्रीय दलों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व !

विश्लेषण

अनिरुद्ध प्रताप सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारतीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर जा पहुंची है, जहां दशकों तक सत्ता और समीकरण तय करने वाले क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता दिखाई दे रहा है। कभी केंद्र की सरकारों को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले ये दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु और ओडिशा तक हालिया चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषाई अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने एक नई बहस को जन्म दिया है।

क्षेत्रीय दलों का रहा स्वर्णकाल

क्या भारत में क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को हालिया चुनावों में उम्मीद से कहीं अधिक नुकसान हुआ है। बंगाल में भाजपा का अभूतपूर्व प्रदर्शन और तमिलनाडु में डीएमके की हार ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहे। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। दशकों तक द्रविड़ राजनीति और तमिल अस्मिता के मुद्दों पर चुनाव जीतने वाली डीएमके को इस बार जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं अपनी सीट नहीं बचा सके। यह केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि उस राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती है, जो लंबे समय तक तमिल पहचान के आधार पर मजबूत बना रहा। हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाता अब बदलाव और प्रशासनिक प्रदर्शन को अधिक महत्व देने लगे हैं।

राज्यों में सत्ता विरोधी लहर

क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के साथ-साथ अब विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे निर्णायक बनते जा रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर ने उसके पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। दिल्ली और पंजाब तक सीमित रह गई आम आदमी पार्टी का कमजोर होता प्रभाव भी इसी बदलाव का हिस्सा माना जा सकता है। तकनीकी रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद उसका प्रभाव सीमित रहा और हाल के समय में उसे राजनीतिक झटके झेलने पड़े। इसी तरह वामपंथ की सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई (एम) भी अब केरल तक सिमटती दिखाई दे रही है। ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल की हार ने भी इस प्रवृत्ति को मजबूत किया। करीब 24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद बीजेडी का सत्ता से बाहर होना यह दर्शाता है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भाजपा ने वहां केवल चुनाव नहीं जीता, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति के सबसे मजबूत गढ़ों में सेंध लगाने का संदेश दिया। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी क्षेत्रीय दल समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

झारखंड व जेके में पकड़ कायम

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी भी मजबूत स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीतिक पकड़ भी बनी हुई है। लेकिन इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं और वहां सामाजिक-सांस्कृतिक समीकरण राष्ट्रीय राजनीति से अलग रूप लेते हैं। इसके बावजूद व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यों को फंड आवंटन, केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग और परिसीमन जैसे विषयों पर बहस तेज हुई है, लेकिन इन मुद्दों का चुनावी असर सीमित दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की राजनीतिक पकड़ कमजोर नहीं हुई। भाजपा की सीटें कम होने के बावजूद उसका प्रभाव बरकरार रहा और उसके सहयोगी दल भी उसके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। इससे यह संकेत मिला कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा अभी भी केंद्रीय शक्ति बनी हुई है। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। भाजपा की मजबूत पकड़ ने समाजवादी पार्टी, बसपा, आरजेडी, शिवसेना और एनसीपी जैसे दलों को कमजोर कर दिया। कई क्षेत्रीय दलों में विभाजन हुआ और उनके गुट राष्ट्रीय गठबंधनों का हिस्सा बन गए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने लंबे समय तक राजनीतिक संतुलन बनाए रखा, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ा।

राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल

तेलंगाना में बीआरएस जैसी पार्टी, जिसने राज्य निर्माण की राजनीति के आधार पर अपनी पहचान बनाई थी, उसे कांग्रेस ने सत्ता से बाहर कर दिया। यह दर्शाता है कि केवल क्षेत्रीय पहचान अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय दलों की बढ़ती सक्रियता आने वाले समय में राजनीति की दिशा बदल सकती है। फिर भी भारतीय लोकतंत्र की विविधता को देखते हुए क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह समाप्त होती नहीं दिखाई देती। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं।

द्रविड़ राजनीति के नए अध्याय की शुरुआत

सियासत

भूपेन्द्र
वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु की राजनीति पांच दशकों से द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। एम. करुणानिधि और जे. जयललिता जैसे नेताओं ने राज्य की राजनीति को ऐसी दिशा दी, जहां राष्ट्रीय दल हमेशा सीमित भूमिका में दिखाई दिए। लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ कि "द्रविड़" शब्द के बिना किसी पार्टी ने तमिलनाडु की सत्ता संभाली। हालांकि, टीवीके और विजय द्रविड़ विचारधारा से कितनी दूरी बनाए रखेंगे, यह अभी देखना बाकी है। क्योंकि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही विजय ने द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता पेरियार ई.वी. रामासामी को श्रद्धांजलि अर्पित की, लेकिन अब, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्टरी कजगम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का युग समाप्त हो रहा है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है। टीवीके की जीत निश्चित रूप से तमिल राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में देखना जल्दबाजी हो सकती है। तमिलनाडु में द्रविड़ आंदोलन केवल राजनीतिक विचारधारा नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान और हिंदी विरोध की भावना से जुड़ा एक सांस्कृतिक आंदोलन था। सीएन अन्नादुराई और पेरियार ई.वी. रामासामी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, उसने ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातीय असमानता और केंद्र के प्रभुत्व के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना पैदा की। इसी कारण द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां केवल चुनावी संगठन नहीं रहीं; वे तमिल पहचान का हिस्सा बन गईं।

एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया।

मुफ्त योजनाएं, सामाजिक कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय गौरव-इन सब ने द्रविड़ दलों को जनता के बीच मजबूत आधार दिया। तमिलनाडु में इस बदलाव के पीछे कई कारण रहे हैं। तमिलनाडु का राजनीतिक इतिहास राजनीतिक नाटकीयता का अभ्यस्त रहा है, जहां सिनेमा और सत्ता अक्सर एक ही धारा में घुल-मिल जाते हैं। एम. जी. रामचंद्रन और फिर जे. जयललिता के बाद से कुछ वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति में नेतृत्व का संकट साफ दिखाई देने लगा था। एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया। फिल्मों में उनकी लोकप्रियता पहले से ही बहुत बड़ी थी, लेकिन उन्होंने केवल स्टारडम पर निर्भर रहने के बजाय बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों को उठाया। जो टीवीके की जीत के पीछे मुख्य बड़ा कारण रही। टीवीके की जीत के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण है लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती राजनीति से जनता का एक वर्ग थक चुका था, मुख्य रूप से युवा, इसलिए युवाओं का समर्थन विजय की पार्टी टीवीके को मिला और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं ने पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्प चुना। टीवीके की जीत तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ जरूर है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

यह अधिक सही होगा कि इसे द्रविड़ राजनीति के "नए अध्याय" की शुरुआत कहा जाए। इस जीत के बाद विजय की सबसे बड़ी चुनौती अब चुनाव जीतना नहीं, बल्कि यह साबित करना होगी कि क्या वे वहां की जनता की उम्मीदों के अनुरूप शासन दे सकते हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टीवीके केवल एक करिश्माई लहर थी या तमिलनाडु की राजनीति का एक स्थायी भविष्य। विजय खुद भले नई राजनीति की बात करते हों, लेकिन उनकी राजनीति पूरी तरह द्रविड़ विचारधारा से अलग नहीं दिखती।

सामाजिक न्याय, तमिल पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर उनका जोर द्रविड़ राजनीति की ही विरासत को आगे बढ़ाता है। अंतर केवल शैली और नेतृत्व में है। टीवीके अधिक आधुनिक, युवा-केंद्रित राजनीति करती है। विजय की छवि पारंपरिक नेताओं से अलग, "सिस्टम बदलने वाले" नेता की बनाई गई है। इसलिए कहा जा सकता है कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति खत्म नहीं हुई है; बल्कि उसका नया संस्करण सामने आया है।

घटते- घटते इस बार वामदलों का पूरा सफाया

संकेत

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा, जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है। 2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने "विकास+रोजगार" का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली, जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है। दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में डीएमके ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में डीएमके को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी। 1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ डीएमके थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने डीएमके से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2024 चुनाव में यह वोट शेयर घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया।

खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है। स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो डीएमके-एआईएडीएमके के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

क्षेत्रीय राजनीति के ढहते किले और राष्ट्रीय विकल्प का उदय

मंथन

डा. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में एक बड़ा और युगांतकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। देश के भीतर प्रादेशिक क्षत्रपों और क्षेत्रीय दलों की जो प्रभुता कभी अजेय मानी जाती थी, उसका दायरा अब धीरे-धीरे सिमटने लगा है। आज चाहे कोई भी प्रदेश क्यों न हो, मतदाता अब लोकलुभावन और संकीर्ण क्षेत्रीय विमर्श से बाहर निकलकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुरक्षा और एक मजबूत केंद्रीय विकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है।

किसी भी राज्य में आने वाले चुनावी परिणाम केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं हैं, बल्कि वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि वैचारिक आधार के बिना केवल प्रादेशिक अस्मिता के भरोसे राजनीति के अभेद्य किले हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को इसी बदलते राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जैसे ही वहां चुनावी नतीजे आने शुरू हुए, पंद्रह वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का वजन घटने लगा। लगभग यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है। आज बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के अनुमान, सर्वेक्षण और विश्लेषण धराशाई हो जाते हैं। बंगाल में भी वही हुआ। आज़ादी के इतिहास में पहली बार बीजेपी दो सौ का आंकड़ा पार कर बंगाल सत्ता के शीर्ष पर पहुंच गई। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मतदाता अब क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार हो चुका है। 33 वर्षों के लेफ्ट के शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी आज स्वयं बहुत असहाय सी प्रतीत हो रही हैं। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और फिर ममता बनर्जी की टीएमसी उसी पैटर्न पर चलते हुए सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। पंद्रह वर्ष पूर्व ममता बनर्जी ने लेफ्ट के जिस रक्त-रंजित करने वाले कैडर को अपनी जुझारू छवि के बलबूते पर उखाड़ फेंका था, बाद में वही चरित्र वाला राजनीतिक कैडर टीएमसी का सिपहसालार बनकर अपने हित साधने लगा और बंगाल

विस चुनाव के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है।

की राजनीति एक ऐसे अभेद्य किले के रूप में स्थापित हो गई, जिसे भेद पाना लगभग असंभव लगने लगा था। संदेशखाली और आर जी कर जैसी वीभत्स घटनाओं के बाद जिस तरह का एक कड़ा संदेश ममता बनर्जी को देना चाहिए था, वो नहीं दे पाईं। पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन हुए और परिणाम यह हुआ कि मध्यम वर्ग का एक बड़ा तबका असुरक्षा की भावना के साथ उनके खिलाफ खड़ा हो गया। टीएमसी की सत्ता के विरुद्ध एक चिंगारी धीरे-धीरे सुलगने लगी और अंततः उस चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। आज जबकि ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो चुकी हैं, तो बहुत सारे नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। अपने जुझारूपन के लिए प्रसिद्ध ममता बनर्जी क्या फिर से वापसी कर पाएंगी या वह प्रदेश की कमान किसी अन्य व्यक्ति को सौंप कर केंद्र की राजनीति करेंगी। यह चुनौती सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि देश के उन तमाम क्षेत्रीय दलों की है जो एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा प्रश्न पार्टी और परिवार में से किसी एक को चुनना भी है। पार्टी पर होल्ड अभिषेक बनर्जी का है, जिनकी छवि साफ-सुथरी नहीं है। इसके साथ ही कई कद्दावर और साफ छवि के नेता अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं जिससे आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा। यही क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि वे पारिवारिक नियंत्रण या एक व्यक्ति के दायरे से बाहर नहीं सोच पाते, जिसके कारण राष्ट्रीय लहर के सामने उनका बिखरना तय हो जाता है। अब इस चुनौती से ममता बनर्जी पार्टी को निकाल कर कैसे खड़ा करती हैं, यह देखना होगा। इस सब के अतिरिक्त एक बड़ी और गंभीर चुनौती है ममता बनर्जी और पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का गंभीर आरोप। स्थिति यह है कि आसनसोल के बस्तीन बाजार का दुर्गा मंदिर, जो लेफ्ट के शासनकाल में बंद कर दिया गया था, पंद्रह वर्षों के टीएमसी के शासनकाल में भी नहीं खोला जा सका। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब विकास, सुरक्षा, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की परिधि से निकलकर धर्म और राष्ट्रीय अस्मिता की मुख्यधारा में आ चुकी है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। बंगाल में विपक्ष के नाम पर भले ही टीएमसी के सिवाय कोई और विकल्प न हो, लेकिन यदि उन्होंने समय रहते नए सिरे से संघर्ष की जमीन तैयार नहीं की, तो राष्ट्रीय प्रवाह के इस नए युग में इस क्षेत्रीय दल की डगर आगे और भी कठिन होने वाली है।

उप्र : सपा को सोच में लाना होगा बुनियादी बदलाव

दृष्टिकोण

चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी आज कुछ वैसी ही पटकथा लिखी जा रही है, जैसी कभी अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के अवसान के समय देखी गई थी। बिहार में जिस तरह भाजपा ने बिसात बिछाकर लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता के गलियारों से दूर धकेल दिया था, उसी तरह से बंगाल में ममता बनर्जी का अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला ढह गया है। आज का मतदाता खामोशी से सब देखता है और अंतिम समय तक इसकी भनक किसी को नहीं लगने देता कि इस बार ऊंट किस करवट बैठने जा रहा है।

इसी बदलते दौर में अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के सामने खड़ा है कि क्या वे क्षेत्रीय पार्टियों के इस ढहते सिलसिले के बीच खुद को बचा पाएंगे? यूपी के आगामी चुनावी समर को देखें तो सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीति के ढर्रे से बाहर निकलने की है। पार्टी दशकों तक मुस्लिम और यादव (एम-वाई) समीकरण के सहारे सत्ता के शिखर तक पहुंचती रही, लेकिन आज के दौर में यह सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह कुंद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने इस कमजोरी को भांपते हुए पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए 'पीडीए' का नारा जरूर उछाला है, लेकिन केवल कागजों या चुनावी भाषणों में नारा देना एक बात है और उसे जमीन पर उतारना बिल्कुल दूसरी बात। असल संकट यह है कि भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित जातियों के भीतर अपना एक ऐसा मजबूत और वफादार वोट बैंक तैयार कर लिया है, जिसे भेद पाना सपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

आम जनता के बीच यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी है कि सपा के आते ही केवल एक विशेष जाति का दबदबा बढ़ जाता है। जब तक अखिलेश यादव इस धारणा को तोड़कर संगठन और टिकटों में इन अति-पिछड़ी जातियों को वास्तविक हिस्सेदारी नहीं देते, तब तक 'पीडीए' महज एक

सूबे की राजनीति बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है

किताबी जुमला बनकर रह जाएगा। वहीं, सूबे की राजनीति पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है। सपा जब भी इस मोर्चे पर आक्रामक होती है, उस पर तुरंत 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का ठप्पा लगा दिया जाता है। उत्तर प्रदेश का एक बड़ा मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक आबादी का हिस्सा आज कानून-व्यवस्था, राष्ट्रवाद और धार्मिक गौरव के नाम पर मौजूदा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

सपा के सामने धर्मसंकट यह है कि वह बिना अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को खोए, इस बहुसंख्यक समाज के दिल में अपनी जगह कैसे बनाए? एक और गंभीर चुनौती सपा के अंदरूनी सांगठनिक ढांचे की है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का वह मुस्तैद कैडर है जो सारा साल जमीन पर सक्रिय रहता है। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी आज भी काफी हद तक स्थानीय क्षत्रपों, रसूखदार नेताओं और कुछ खास परिवारों के भरोसे चुनाव लड़ती है।

क्षेत्रीय पार्टियों के बिखरने का एक बड़ा कारण यही रहा है कि वे संस्थागत रूप से मजबूत होने के बजाय किसी एक चेहरे या परिवार पर आश्रित हो जाती हैं। उसे अपनी पुरानी सामंती कार्यशैली को छोड़कर संगठन को बूथ स्तर तक बेहद पेशेवर और मुस्तैद चुनावी मशीनरी में बदलना होगा। गठबंधन की राजनीति के मोर्चे पर भी सपा के अनुभव बहुत सुखद नहीं रहे हैं। जब भी क्षेत्रीय दल किसी बड़े मोर्चे में शामिल होते हैं, तो सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के अहंकार को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। सपा के लिए चुनौती यह है कि वह कांग्रेस और अन्य छोटे जातीय दलों को साथ लेकर तो चले, लेकिन अपनी खुद की राजनीतिक जमीन को उनके हाथों में न सौंप दे। अब चुनाव भारी-भरकम बजट, सोशल मीडिया के चौबीस घंटे चलने वाले नैरेटिव और डेटा के बारीक विश्लेषण के जरिए मतदाताओं के मोबाइल स्क्रीन पर लड़े जा रहे हैं।

अंततः, समाजवादी पार्टी समय रहते अपनी रणनीति, सोशल इंजीनियरिंग और सोच में बुनियादी बदलाव नहीं ला पाती, तो क्षेत्रीय दलों के पतन के इस दौर में उसके लिए भी अपनी राजनीतिक जमीन बचा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।

कबड्डी में चोट से बचाव का मंत्र : सही तकनीक व रिकवरी सबसे बड़ी ढाल

छोटी लापरवाही भी खत्म कर सकती है खिलाड़ी का करियर

घुटने, कंधे और सिर की चोटें खिलाड़ियों में सबसे आम

बिना फिटनेस मैदान में वापसी से दोबारा चोट का खतरा कई गुना

फिजियोथेरेपी, संतुलित डाइट और वैज्ञानिक ट्रेनिंग को बताया सफलता की कुंजी

ग्रामीण टूर्नामेंटों में मेडिकल सुविधाओं की कमी बन रही बड़ा खतरा

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

देश का पारंपरिक खेल कबड्डी आज अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है, लेकिन इसकी तेज़ रफ्तार और शारीरिक टकराव खिलाड़ियों के लिए गंभीर चोटों का खतरा बढ़ा रहे हैं। घुटने, कंधे, टखने और सिर की चोटें खिलाड़ियों के करियर के लिए बड़ी चुनौती हैं। खेल विशेषज्ञों और चिकित्सकों का मानना है कि सही तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और उचित रिकवरी प्रोटोकॉल अपनाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हेल्थ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दर्द निवारक दवाइयों के सहारे खेलना खतरनाक हो सकता है, जबकि बिना पूरी फिटनेस के मैदान में वापसी दोबारा चोट की आशंका बढ़ा देती है। यदि खिलाड़ी सही तकनीक और रिकवरी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते, तो एक छोटी सी चोट उनके पूरे करियर को खत्म कर सकती है।

एआई जेनरेटिड फोटो।

कबड्डी में आम चोटें
- घुटने के लिगामेंट टूटना
- कंधा व कोहनी उतरना
- टखने की मोच और सिर में चोट।

यह बरतें सावधानी
- चोटिल हिस्से को सहारा दें और सुरक्षित रखें।
- आराम बेहद जरूरी है।
- डॉक्टर की सलाह पर चोटिल हिस्से पर धीरे-धीरे और हल्का भार डालें। रिकवरी जल्दी होगी।
- सूजन और दर्द कम करने के लिए प्रभावित जगह पर कपड़े में लपेटकर बर्फ लगाएं।
- सूजन को नियंत्रित करने के लिए चोट वाली जगह पर हल्की दबाव वाली पट्टी बांधें।
- चोटिल हिस्से को हृदय के स्तर से ऊपर उठा कर रखें।

तकनीक गलत तो करियर खत्म
कोच की देख-रेख के बिना अभ्यास करना जोखिम भरा है। यदि खेल मिट्टी पर है, तो मिट्टी नरम होनी चाहिए। यदि मैट पर है, तो ध्यान दें कि मैट पुराना या फटा हुआ न हो, अन्यथा लिगामेंट टूटने का डर रहता है। एक कुशल कोच समझता है कि खिलाड़ी का पैर किस कोण पर पड़ना चाहिए। बिना कोच के प्रैक्टिस मैच खेलने से बचें। खेल के दौरान केवल पानी नहीं, बल्कि 'इलेक्ट्रोलाइट्स' का सेवन करें ताकि शरीर में ऐंठन न आए। -**प्रवीन**, कबड्डी कोच

डाइट और अनुशासन ही रिकवरी की कुंजी
चोट से लड़ना केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और खान-पान का भी खेल है। अभी घुटने की चोट से उबरा हूं। इससे पहले भी चोट लगी है। मुझे खुद एसीएल और एमसीएल की इंजरी हुई थी। मैंने रोहतक में लंबे समय तक फिजियोथेरेपी करवाई। चोट से उबरने के लिए कम से कम 2-3 महीने का धैर्य जरूरी है। मैंने चार बार जूनियर नेशनल मेडल जीता है और खेलो इंडिया गेम्स में भी दो स्वर्ण पदक जीते हैं। मांसपेशियों की मरम्मत के लिए पनीर, उबला हुआ चिकन और ड्राई फ्रूट्स सबसे अच्छे स्रोत हैं। रिकवरी के दौरान मीठा पूरी तरह छोड़ देना चाहिए, क्योंकि यह शरीर में सूजन बढ़ाता है। -**अंकित राणा**, खिलाड़ी

दर्द निवारक गोलियां खाकर न खेलें
यह खेल हाई-कॉन्टैक्ट श्रेणी में आता है, इसलिए यहां जोखिम भी अधिक है। गलत तरीके से गिरने या टैकल होने पर मस्तिष्काघात, सिर की चोट या रीढ़ की हड्डी में चोट लग सकती है, जिससे लकवा होने का खतरा रहता है। ऐसे में खिलाड़ी को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। खिलाड़ी अक्सर दर्द निवारक गोलियां खाकर खेलते हैं, जो जानलेवा हो सकता है। यह न केवल चोट को बढ़ाता है, बल्कि किडनी, पेट के अल्सर और हृदय रोग का कारण भी बनता है। चोट लगने पर सबसे पहले खेल को तुरंत रुकवाएं। इसके बाद पीओएलआईसीई प्रोटोकॉल अपनाएं। -**डॉ. राजेश रोहिल्ला**, खेल चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर, पीजीआईएमएस, रोहतक

फिजियोथेरेपी और सही एक्सरसाइज असली सुरक्षा
कबड्डी में चोट लगने का मुख्य कारण अचानक दिशा बदलना और शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ना है। खिलाड़ी की फिटनेस और रिकवरी पर ध्यान दें। घुटने और कंधे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि रेडर और डिफेंडर दोनों ही इन जोड़ों पर बहुत अधिक भार डालते हैं। चोट के बाद मैदान में जल्दी वापसी करना दोबारा चोट लगने के खतरे को 200% बढ़ा देता है। पूरी फिटनेस के बिना वापसी न करें। मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए रोजाना स्ट्रेचिंग, स्क्वाट्स, कोर एक्सरसाइज और बैलेंस ट्रेनिंग करनी चाहिए। -**डॉ. हेमलता**, स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमएस रोहतक

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	12	8	4	16
गुजरात	13	8	5	16
हैदराबाद	12	7	5	14
पंजाब	12	6	5	13
राजस्थान	11	6	5	12
चेन्नई	12	6	6	12
कोलकाता	12	5	6	11
दिल्ली	12	5	7	10
मुंबई	12	4	8	8
लखनऊ	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
554 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
22 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

अवनि का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर, किया कट हासिल

हैम्बर्ग। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में चार अंडर 69 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया, जिससे वह जर्मन मास्टर्स टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही। पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली अवनि का कुल स्कोर अब एक ओवर हो गया है और वह संयुक्त 47वें स्थान पर है। कट दो ओवर पर गया। इस तरह से अवनि कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की दो अन्य खिलाड़ी प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट में जगह नहीं बना पाई। प्रणवी ने दूसरे दौर में एक ओवर पार का स्कोर बनाया और कुल मिलाकर चार ओवर के साथ संयुक्त 72वें स्थान पर रहीं। वाणी पहले दौर के बाद ही टूर्नामेंट से हट गईं थी। जर्मनी की एस्थर हेंसेलीट (64-71) दूसरे दौर में दो अंडर 71 का कार्ड खेलकर कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। सारा कौस्कोवा ने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर सात अंडर 64 बनाया। वह दूसरे स्थान पर हैं।

सिनसिनाटी में कट हासिल करने से चूकी अदिति

सिनसिनाटी । भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद क्रोगर क्वीन सिटी चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गईं। पहले दिन के उन्होंने दो ओवर कर स्कोर किया था, जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जबकि कट दो ओवर पार पर तय किया गया था। अमांडा डोहर्टी और जिन यंग ने दूसरे दौर की समाप्ति तक संयुक्त बढ़त कायम कर ली थी। दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे दिन चार अंडर 66 के स्कोर के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों का कुल स्कोर सात अंडर का है।

एलन ने 93 रन बनाए, गिल के 85 रन काम नहीं आए

केकेआर ने गुजरात को हराकर प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने शुरूआत में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 35 गेंद में 93 रन की विस्फोटकीय पारी खेली जिसकी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुजरात टाइटन्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 29 रन से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखा। इस हार से गुजरात टाइटन्स का लगातार पांच मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया जो 16 अंक से तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। एलन के गेंदबाजों की धुनाई करने के बाद अंगकृष रघुवंशी (नाबाद 82 रन) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 52 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 53 गेंद में 108 रन की शतकीय साझेदारी से टीम 'करो या मरो' के मुकाबले में दो विकेट पर 247 रन के विशाल स्कोर तक पहुंची। यह इस सत्र में उसका सबसे बड़ा स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटन्स फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (नाबाद 53 रन) के 23 रन पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल (49 गेंद में 85 रन) और जोस बटलर (35 गेंद में 57 रन) के बीच 73 गेंद में 128 रन की साझेदारी के बावजूद चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

- गुजरात 5 जीत के बाद हारी
- कोलकाता 29 रन से जीती

कोलकाता-247/2 (20)

खिलाड़ी	रन
अजिंक्य रहाणे बो सिराज	14
फिन एलन का राशिद बो किशोर	93
अंगकृष रघुवंशी नाबाद	82
कैमरन ग्रीन नाबाद	52
अतिरिक्त : 06	
कुल योग : 20 ओवर में दो विकेट पर 247	
विकेट पतन : 1-44, 2-139	
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-1, रबाडा 4-0-40-0, होल्डर 4-0-39-0, राशिद 4-0-57-0, साई किशोर 3-0-38-1, अरशद 1-0-22-0	

गुजरात-218/4 (20)

खिलाड़ी	रन
साई सुदर्शन नाबाद	53
शुभमन गिल का रॉय बो नारायण	85
निशांत सिंधू का पांडे बो नारायण	01
जोस बटलर का सब बो दूबे	57
राहुल का रघुवंशी बो ग्रीन	02
अतिरिक्त : 20	
कुल योग : 20 ओवर में चार विकेट पर 218 रन	
विकेट पतन : 0-42 (रिटायर्ड हर्ट), 1-49, 2-177, 3-207, 4-218	
गेंदबाजी : सौरभ दूबे 2.4-0-23-1, ग्रीन 3-0-25-1, त्यागी 4-0-59-0, पाथिराना 1.2-0-9-0, नारायण 4-0-29-2, चक्रवर्ती 4-0-47-0, अनुकूल रॉय 1-0-17-0	

पंजाब को जीत की चाह प्लेऑफ पर आरसीबी की नजर

धर्मशाला। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को होने वाले आईपीएल में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। धर्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था। आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतारेगी। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार 5 मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आरसीबी की टीम, जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी।

- आज दोपहर 3.30 बजे से मुकाबला

करो या मरो की जंग में आमने सामने दिल्ली-रॉयल्स

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए रविवार को आईपीएल का महत्वपूर्ण मुकाबला हर हालत में जीतना होगा और नजरें इस पर लगी होंगी कि वैभव सूर्यवंशी सीम और स्विंग के महारथी मिचेल स्टार्क का सामना कैसे करते हैं। दिल्ली के 12 मैचों में 10 अंक है और प्लेऑफ में जगह बनाने की उसकी संभावना नहीं के बराबर है। इस मैच में हार से वह दौड़ से बाहर ही हो जाएगी।

- आज शाम 7.30 बजे होगा सामना

सात्विक-चिराग का धमाकेदार खेल, फाइनल में बनाई जगह

थाईलैंड ओपन: भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। चिराग ने कहा, 'अच्छा लग रहा है। हमने साल की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं की थी और अच्छी शुरुआत नहीं होने की वजह से हम मानसिक रूप से भी मजबूत नहीं थे। 'उन्होंने कहा, 'बतौर खिलाड़ी हम सचमुच जवाब चाहते थे। आखिरकार थॉमस कप में मिले कांस्य पदक ने हमारे आत्मविश्वास में काफी बढ़ोतरी की। और अब हम यहां साल का अपना पहला फाइनल खेल रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हम यह खिताब जीत लेंगे।' भारतीय जोड़ी ने 2019 और 2024 में खिताब जीता था और तीसरी बार फाइनल में पहुंची है।

मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-2 का

अब सात्विक और चिराग का सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन या चीन के हि जि तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से होगा। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था। मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया।

महिला क्रिकेट टीम पहुंची उज्जैन, लिया महाकाल का आशीर्वाद

उज्जैन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी।

रुड ने डार्डेरी को हराया पहली बार फाइनल में

रोम। कैस्पर रूड ने बारिश के कारण लगभग दो घंटे तक खेल रुकने के दौरान भी अपनी एकाग्रता बनाए रखी और इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। रुड जब पहले सेट में 4-1 से आगे चल रहे थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। रविवार को होने वाले फाइनल में उनका सामना विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर या दानिल मेदवेदेव से होगा। सिनर और मेदवेदेव के बीच सेमीफाइनल मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। जब यह मुकाबला स्थगित करने का फैसला किया गया तब इटली के खिलाड़ी सिनर रूस के मेदवेदेव से 6-2, 5-7, 4-2 से आगे चल रहे थे। महिला वर्ग का फाइनल कोको गॉफ और एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। फ्रेंच ओपन से पहले यह आखिरी अभ्यास टूर्नामेंट है।

स्क्वाश चैंपियनशिप

सेंथिलकुमार और जोशना ने जीता युगल का खिताब

चेन्नई। वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तीसरी एचसीएल राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में अभय सिंह और रतिका सीलान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-7, 11-9 से हराया। सेंथिलकुमार और जोशना दोनों ने इससे पहले टूर्नामेंट में अपने-अपने साथियों के साथ क्रमशः पुरुष और महिला युगल खिताब भी जीते थे। सेंथिलकुमार ने अभय के साथ मिलकर फाइनल में राहुल बैठा और सूरज कुमार चंद को 11-8, 11-5 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। महिला युगल के फाइनल में जोशना और रतिका ने जेनेट विधि और पूजा आरती को 11-8, 11-4 से हराया।

एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत की चुनौती पेश करेंगे आर्यवीर

आर्यवीर दीवान चीन में इस महीने के आखिरी में होने वाली एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल अंडर 17 लड़कों का खिताब जीतने वाले दीवान इस बार अंडर 19 वर्ग में उतरेंगे। टूर्नामेंट 20 से 24 मई तक खेला जाएगा, जिसमें उन्हें तीसरी वरीयता मिली है। भारत ने अंडर 11 से अंडर 19 वर्ग तक 32 सदस्यीय टीम उतारी है। पिछली बार भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे।

चैंपियंस लीग : विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर

एस्टन विला ने लिवरपूल को हराया, पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेंसी ▶▶ बर्मिंघम

एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है।

एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी।

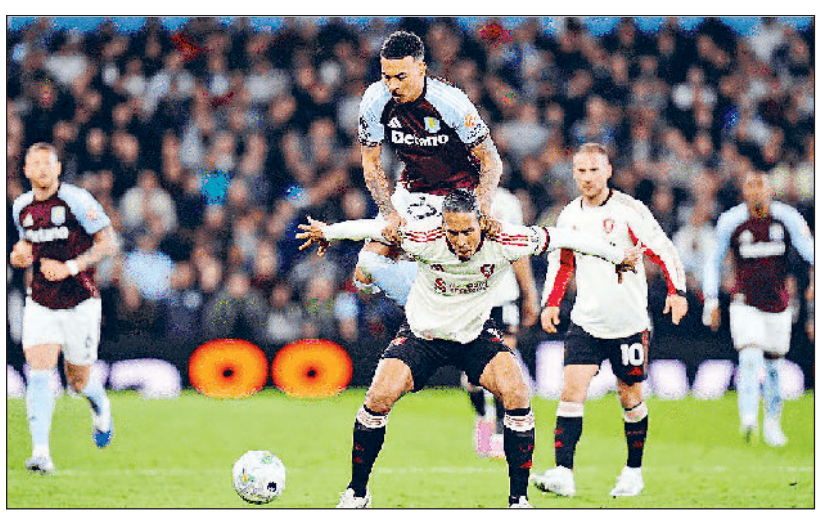

एमरी की टीम ने दिखाया आक्रामक खेल

उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियानो बुएंडिया का शानदार कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया।

खबर संक्षेप

मारा गया आईएसआईएस का कमांडर अबू मिनुकी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरिया में आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े वैश्विक कमांडर अबू-बिलाल अल-मिनुकी को खत्म कर दिया है। यह आतंकी पूरी दुनिया में आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। ट्रंप ने बताया कि यह एक बहुत ही जटिल और सुनियोजित मिशन था। अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने मिलकर इस ऑपरेशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया। ट्रंप ने अल-मिनुकी को दुनिया का सबसे सक्रिय आतंकवादी बताया।

मेक्सिको के पूर्व सुरक्षा प्रमुख कोर्ट में पेश

न्यूयॉर्क। मेक्सिको के सिनालोआ राज्य के पूर्व जन सुरक्षा सचिव गेरार्डो मेरिडा सांचेज न्यूयॉर्क के मैनहट्टन स्थित अमेरिकी फेडरल कोर्ट में पेश हुए। उन्हें सिनालोआ कार्टेल को अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी में मदद करने के आरोप में एरिज़ोना से गिरफ्तार किया गया था। वह अमेरिका द्वारा आरोपित 10 मेक्सिकन अधिकारियों में से पहले हैं जो अदालत के सामने पेश हुए हैं। सांचेज पर जेल में बंद ड्रग माफिया 'अल चापो' के बेटों से हर महीने 100,000 डॉलर की रिश्वत लेने और पुलिस छापों की पूर्व जानकारी उन्हें देने का गंभीर आरोप है।

पुतिन अगले सप्ताह बीजिंग यात्रा पर जाएंगे

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अगले सप्ताह दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग जाएंगे, जहां उनकी मुलाकात अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग के साथ होगी। क्रेमलिन ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूसी सरकार के मुख्यालय क्रेमलिन ने एक बयान में कहा कि पुतिन की 19-20 मई को होने वाली यात्रा 2001 की चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं सालगिरह के समय से मेल खाती है। दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों तथा आर्थिक सहयोग पर चर्चा करेंगे।

सीडीएस चौहान ने शुरू कराया म्यूजियम

तवांग को भारत में मिलाने वाले मेजर खाथिंग की यादें होंगी ताजा

मेजर बॉब खाथिंग, सीडीएस चौहान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना संवाद कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने देश के एक ऐसे महान नायक की गौरव गाथा को याद किया है, जिसका नाम इतिहास के पन्नों में कहीं खो गया था। जनरल अनिल चौहान ने पूर्वोत्तर भारत के महान सपूत मेजर बॉब खाथिंग के साहसिक कारनामों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके काम देश के लिए बहुत बड़े गौरव की बात हैं। मेजर बॉब खाथिंग नागालैंड के रहने वाले थे और उन्होंने ब्रिटिश इंडियन आर्मी के साथ-साथ मणिपुर के महाराजा की सेना में भी अपनी सेवाएं दी थीं। जनरल चौहान ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा की तारीफ करते हुए कहा कि वह एक सैनिक, राजनयिक और राजदूत के रूप में एक अद्भुत इंसान थे। ऐसे व्यक्तित्व थे।

1951 में तवांग पर लहराया था तिरंगा

असम के तत्कालीन गवर्नर और सीएम का मिला साथ

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कार्यक्रम में एक बेहद दिलचस्प वाकया साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वे सेना के सक्रिय सेवाकाल में थे और बाद में भी, उनके मन में हमेशा यह इच्छा रहती थी कि देश के इस महान नायक को वह सम्मान मिलना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। इसके लिए उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में मेजर बॉब खाथिंग के नाम पर एक म्यूजियम बनाने की योजना पर काम शुरू किया था। इसके लिए उन्हें असम के तत्कालीन गवर्नर बीएल मिश्रा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू का भरपूर सहयोग मिला है। इन सभी के संयुक्त प्रयासों से तवांग में एक शानदार म्यूजियम की स्थापना की गई है, जो अब पूरी तरह से बनकर तैयार हो चुका है। जनरल चौहान ने कहा कि जब आप अपने मुख्य कर्तव्यों और चार्टर से परे जाकर कुछ ऐसा काम करते हैं जो देश के इतिहास और संस्कृति को संवारने का काम करे, वह काम आपको एक अलग ही संतुष्टि देता है।

चीन से तवांग को सुरक्षित किया था

जनरल चौहान ने बताया कि साल 1951 में मेजर बॉब खाथिंग ने असम राइफल्स के जवानों के साथ एक बहुत बड़े और बेहद कठिन अभियान का नेतृत्व किया था। वे पैदल ही दुर्गम पहाड़ियों को पार करते हुए तवांग पहुंचे थे और वहां पर भारत का तिरंगा झंडा फहराकर उस पूरे क्षेत्र को आधिकारिक तौर पर भारत का हिस्सा बना दिया था। यह एक ऐसा ऐतिहासिक कदम था, जिसने भारत की उत्तरी सीमा को हमेशा के लिए सुरक्षित कर दिया था।

आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बहुत सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ साजिशें रचना जारी रखता है, तो उसे एक बड़ा फैसला लेना होगा। पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह भविष्य में दुनिया के नक्शे (भूगोल) पर रहना चाहता है या सिर्फ इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाना चाहता है। जनरल द्विवेदी ने यह बात नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में 'यूनिफॉर्म अनवेल्ड' के एक सत्र में भारत के खिलाफ उसकी नापाक हरकतों पर प्रतिक्रिया के संदर्भ में कही।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की चेतावनी

पाक तय करे वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का

भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से पूछा गया था कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना कैसे प्रतिक्रिया देगी? इसका जवाब देते हुए आर्मी चीफ ने कहा कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर जैसी स्थिति फिर बनी तो भारतीय सेना उसी तरह या उससे भी मजबूत जवाब देगी। सेना प्रमुख ने सीधे तौर पर कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ काम करना जारी रखता है, तो उन्हें यह तय करना होगा कि वो भूगोल का हिस्सा बनना चाहता हैं या इतिहास का। जनरल द्विवेदी की यह संक्षिप्त टिप्पणी पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चेतावनी है। उनका यह संदेश पाकिस्तान के लिए साफ चेतावनी है कि भारत आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेगा।

पिछले साल शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूर

बता दें, पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई थी। यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के जवाब में शुरू हुआ था। इस दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के खिलाफ हमले की कोशिश की थी। जोकि नाकाम रहे। भारत ने उन सभी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच यह सैन्य संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला था। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ बनने के बाद यह संघर्ष रुका था। सेना प्रमुख के इस ताजा बयान ने साफ कर दिया है कि भारत अपनी सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पाक को बदलनी होगी नीति

आर्मी चीफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा है। सेना संवाद कार्यक्रम में आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी नीति बदलनी होगी।

पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा बांग्लादेश

ब्यूरोक्रेट्स की ट्रेनिंग के लिए मसूरी की जगह चुना लाहौर

लाहौर पहुंचे बांग्लादेशी अधिकारी

भारत और बांग्लादेश में संबंधों में तनाव के चलते बांग्लादेशी सिविल सेवकों के प्रशिक्षण केंद्र के लिए ढाका ने मसूरी की जगह लाहौर को चुना है। बांग्लादेश के बारह नौकरशाह लाहौर स्थित सिविल सर्विसेज एकेडमी में प्रशिक्षण (4-21 मई) ले रहे हैं। बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है। यह बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच अपनी तरह का पहला व्यवस्थित कार्यक्रम है। शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद से दोनों देश एक-दूसरे के करीब आए हैं और कई क्षेत्रों में उनके बीच सहयोग बढ़ा है। बांग्लादेश के मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अतिरिक्त सचिव और 11 संयुक्त सचिव प्रशिक्षण ले रहे हैं। अधिकारियों के प्रशिक्षण का सारा खर्च पाकिस्तान सरकार उठा रही है। इस दौरे में बांग्लादेश सरकार की कोई वित्तीय भागीदारी नहीं है। मंत्रालय की एक अधिसूचना के अनुसार, प्रशिक्षण के बाद घर लौटने पर अधिकारियों को एक रिपोर्ट जमा करनी होगी। बता दें, 2024 तक बांग्लादेशी अधिकारी ट्रेनिंग के लिए मसूरी में स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी जाते थे।

गाजा में इजराइली सेना का बड़ा हवाई हमला

हमास के शीर्ष सैन्य कमांडर सहित कई लोगों की मौत, 6 अक्तूबर 2023 के हमले का था मास्टरमाइंड

एजेंसी ▶▶ गाजा पट्टी

शुक्रवार की शाम को इजराइली सेना ने गाजा शहर में एक बड़ा हवाई हमला किया। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने खुद आधिकारिक तौर पर इस हमले की पुष्टि की है।

इस हवाई हमले में हमास की सैन्य शाखा (कासिम ब्रिगेड) के प्रमुख इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को सीधा निशाना बनाया गया है। हद्दाद 7 अक्तूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमास हमलों की योजना और उसे अंजाम देने वाले प्रमुख

इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद

रणनीतिकारों में से एक था। इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि जो भी 7 अक्तूबर के हमले में शामिल था, इजराइल उसे छोड़ेगा नहीं। पीएम बेंजामिन ने अपने बयान में कहा कि आज नहीं तो कल, इजराइल तुम तक पहुंच ही जाएगा।

दो हमलों में 20 से ज्यादा लोग घायल

गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार शाम को इजराइल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत (अपार्टमेंट) पर हुआ। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से उड़ा दिया गया। इस हमले में कई मासूम लोगों की जान चली गई।

ट्रंप और बोइंग ने की डील की पुष्टि

यूएस से 200 विमान खरीदेगा चीन, 450 इंजन भी शामिल

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की है कि चीन बोइंग कंपनी से 200 विमान खरीदने के लिए सहमत हो गया है। बोइंग भी इसकी पुष्टि की है। यह डील ट्रंप और जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई मीटिंग के दौरान हुई। यह लगभग एक दशक में चीन की बोइंग के साथ पहली डील है, जो अमेरिकी विमानन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आने वाले समय में चीन यह डील और बढ़ा सकता है और 750 विमानों तक खरीद सकता है। अनुमान है कि 200 विमानों के साथ लगभग 400-450 इंजनों का ऑर्डर भी शामिल है। हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। बोइंग के साथ हुई यह डील अमेरिका-चीन व्यापार संबंधों में सुधार का संकेत देता है। चीन दुनिया के सबसे बड़े विमानन

बाजारों में से एक है। ऐसे में बोइंग के लिए यह बाज़ार फिर से खुलना काफी फायदेमंद है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह डील न सिर्फ बोइंग के उत्पादन को बढ़ावा देगी बल्कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी मज़बूती प्रदान करेगी। चीन से डील के बावजूद बोइंग के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि चीन ने उम्मीद से कम विमानों की खरीद की डील की, जिससे कंपनी के शेयरों को झटका लगा। वहीं कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि राजनीतिक तनावों के बीच इस डील का क्रियान्वयन कितना सुचारू होगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

देहरादून के विकासनगर में महिला दो बेटियों के साथ नहर में कूदी

भाषा ▶▶ देहरादून

देहरादून जिले के विकासनगर क्षेत्र में शनिवार को 28 वर्षीय एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ शक्ति नहर में कथित तौर पर कूद कर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि उस समय मौजूद स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चियों को तुरंत नहर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि महिला तेज पानी में बह गयी। पुलिस ने बताया कि अपराह्न लगभग साढ़े चार बजे पुल नंबर एक के पास विकासनगर के मंडी चौक की किरन चंदेल ने अपनी दो बेटियों के साथ नहर में छलांग लगा दी। उसने बताया कि घटना से हतप्रभ आसपास मौजूद लोगों ने उसकी बेटियों—तीन वर्षीय आरवी तथा तीन महीने की अन्य बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन किरन तेज पानी में बह गयी। सूचना मिलने पर पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा महिला की तलाश में राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) की मदद से खोज अभियान शुरू किया । हालांकि, अभी तक उसका कुछ पता नहीं चल पाया है। दोनों बच्चियों को उपचार हेतु नज़दीकी अस्पताल भेजा गया है । पुलिस ने बताया कि महिला के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, किरन की 2020 में धीरज चंदेल से प्रेम विवाह हुआ था। धीरज हैदराबाद में नौकरी करता है लेकिन 10 मई से छुट्टी पर आया हुआ था। हालांकि, शनिवार को वह घर पर मौजूद नहीं था। विकासनगर के पुलिस क्षेत्राधिकारी विवेक कुटियाल ने बताया कि महिला के बच्चों के साथ नहर में कूदने के कारणों की जांच की जा रही है ।

- महिला लापता, दोनों बेटियों को लोगों ने बचाया
- 2020 में महिला ने किया था प्रेम विवाह

दिल्ली एयरपोर्ट पर 3.5 किलो सोने के साथ अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

- कपड़ों में छिपाकर लाया था 115 गोल्ड बिस्किट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने सोने की तस्करी के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कस्टम अधिकारियों ने खुफिया जानकारी और रिस्क बेस्ड प्रोफाइलिंग के आधार पर जाल बिछाकर सैन फ्रांसिस्को से आए एक भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित अपने कपड़ों में बेहद शातिर तरीके से छिपाकर 115 सोने के बिस्किट (गोल्ड बार) भारत ला रहा था। जब्त किए गए सोने का कुल वजन करीब 3.5 किलो है।

ग्रीन चैनल पार करने की फिराक में था तस्कर

कस्टम अधिकारियों के मुताबिक आरोपित 15 जुलाई को सैन फ्रांसिस्को से एआर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ-4174 के जरिए दिल्ली पहुंचा था। वह इंटरनेशनल अराइवल टर्मिनल पर कस्टम अधिकारियों की नजरों से बचकर चुपके से 'ग्रीन चैनल' पार करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन पहले से ही गुप्त निगरानी पर तैनात यूनिट की टीम ने उसकी संदिग्ध हरकतों को भांप लिया और उसे रोक लिया।

विशेष बेल्ट और पैंट की जेबों में छुपाया था खजाना

जब यात्री और उसके सामान की व्यवस्थित तरीके से व्यक्तिगत तलाशी ली गई, तो अधिकारी भी हैरान रह गए। आरोपित ने सोने को छिपाने के लिए एडवांस तकनीक और शातिर दिमाग का इस्तेमाल किया था। उसने एक विशेष रूप से डिजाइन की गई बेल्ट पहन रखी थी और अपनी ट्राउजर के अंदरूनी हिस्सों में गुप्त जेबें बना रखी थीं।

मणिपुर में तीन चर्च नेताओं की हत्या के विरोध में रैली निकाली

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में कुकी महिला संगठन ने कांगपोकपी में हाल में तीन चर्च नेताओं की हत्या के विरोध में एक विशाल रैली निकाली। महिला प्रदर्शनकारी कोइते गांव के मैदान में एकत्रित हुईं और न्याय की मांग के नारे लगाते हुए लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर तुइबोंग तक पहुंचीं। यह रैली कुकी महिला मानवाधिकार संगठन द्वारा आयोजित की गई थी। उन्होंने चुराचांदपुर जिले के उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा, जो केंद्रीय गृह मंत्री को संबोधित था। सूत्रों के अनुसार, उनकी मांगों में सुरक्षा व्यवस्था की तत्काल समीक्षा और सुदृढ़ीकरण तथा नागरिकों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी कुकी-जो क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती शामिल हैं।

एआई बड़े उद्योगों के संचालन का मुख्य आधार बन रहा

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन का बड़ा दावा

भारत एआई में ग्लोबल हब बनने की राह पर, नई नौकरियां भी होंगीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

वैश्विक कारोबारी जगत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अब महज एक अतिरिक्त तकनीकी साधन नहीं, बल्कि बड़े उद्योगों के संचालन का मुख्य आधार बनता जा रहा है। देश की अग्रणी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए इस रणनीतिक बदलाव को रेखांकित किया है, जहां एआई के बढ़ते प्रभाव से न केवल कंपनी का मुनाफा बढ़ा है बल्कि आईटी क्षेत्र में नई नौकरियों की भी वापसी हुई है। चेयरमैन के अनुसार, जेनरेटिव और एजेंटिक एआई अब शुरुआती परीक्षणों के दौर से बाहर निकलकर विकास के एक नए चरण में पहुंच चुके हैं, जहां दुनिया भर के बड़े कॉर्पोरेट ग्राहक अब इसे अपने रोजमर्रा के मुख्य कामकाज का एक स्थायी और अनिवार्य हिस्सा बना रहे हैं।

टीसीएस के चेयरमैन चंद्रशेखरन

उद्योगों के लिए विशेष एआई ऑपरेटिंग सिस्टम बना रही टीसीएस

टीसीएस ने अपने विशेष 'ह्यूमन+एआई' ऑपरेटिंग मॉडल के जरिए तकनीकी बाजार में एक बड़ी छलांग लगाई है, जिसके दम पर कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक सेवाओं से 11.5 अरब डॉलर का सालाना राजस्व अर्जित किया है। टीसीएस भारत में एक सुरक्षित और संप्रभु एआई बुनियादी ढांचा तैयार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है।

भोजशाला में गूंजे हनुमान चालीसा के स्वर

हाईकोर्ट के आदेश के बाद पहली बार पूजा

धार। मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच द्वारा धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित करने के बाद शनिवार को पहली बार वहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह भोज उत्सव समिति के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला परिसर पहुंचे और पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ आराधना की। इस दौरान परिसर हनुमान चालीसा के पाठ और जयकारों के स्वरों से गूंज उठा। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28